भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

Rs 1,677-crore plan for Srinagar airport expansion approved

Sukalp Sharma
New Delhi, February 24

THE SRINAGAR airport is set to get a makeover with the Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA) approving a major expansion project at an estimated cost of Rs 1,677 crore.

The redevelopment is expected to more than treble the airport's passenger-handling capacity, to 10 million passengers per year from the current 3 million, and is expected to be completed in four years. The project will be funded fully by equity from the Airports Authority of India (AAI).

The Srinagar airport is a military airport — housed in the Indian Air Force's Budgam airbase — with the AAI operating the civil enclave. The airport handled almost 4.5 million passengers in 2024-25, significantly higher than its 3 million-per-annum capacity.

"The new Civil Enclave project, spread over 73.18 acres, will feature a state-of-the-art terminal building spanning 71,500 square meters (including 20,659 square meters of existing structure), designed to serve 2,900 passengers during peak hours (up from 950 at present) and an annual capacity of 10 million passengers per annum," the government said in a release. The expanded apron will equip the airport with 15 aircraft parking bays from nine bays at present.

The project will also include the construction of a multi-level car parking facility for 1,000 cars, barracks for 1,344 security personnel of the Central Industrial Security Force (CISF), and accommodation for AAI staff.

"Beyond infrastructure enhancement, the project is expected to significantly boost tourism and economic growth by improving connectivity to iconic attractions, including Dal Lake, Shankaracharya Temple and the Mughal Gardens..." the government said.

Capacity to treble

3 MILLION: Current annual passenger-handling capacity of the airport

4.5 MILLION: Number of passengers it handled in 2024-25

10 MILLION: Expected capacity after expansion

Four years: Estimated time for completion of project

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

हवाई अड्डे से नोएडा, ग्रेनो वेस्ट तक मिलेगी शटल और कैब सर्विस

एनआईए ने मैन फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के साथ ग्राउंड मोबिलिटी सेवाओं के लिए किया अनुबंध, बजट के अनुसार कैब सुविधा

यमुना सिटी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कॉमर्शियल उड़ानों के शुरू होने के साथ-साथ नोएडा के बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक इंट्रा-सिटी बस शटल और कैब सर्विस मिलेगी। एनआईए ने मंगलवार को मैन फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के साथ ग्राउंड मोबिलिटी सेवाओं के लिए अनुबंध किया है। यात्रियों को जरूरत और जेब के अनुसार शटल और कैब सर्विस मिलेगी।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अब लगभग बनकर तैयार हो चुका है। डीजीसीए का लाइसेंस मिलने के बाद जल्द ही हवाई अड्डे का उद्घाटन और कॉमर्शियल फ्लाइटों की उड़ान देश के 47 शहरों में शुरू हो सकेंगी। इन उड़ानों के शुरू होने के साथ ही बेहतर इंट्रा-सिटी बस शटल और प्रीमियम कैब सर्विस के लिए नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) की ओर से मैन फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के साथ यात्रियों को गौतमबुद्ध नगर में ले जाने के लिए अनुबंध किया है। शुरूआत में नोएडा एयरपोर्ट से शटल सर्विस परी चौक, बॉटेनिकल गार्डन, ग्रेटर नोएडा वेस्ट तक विभिन्न प्वाइंट पर मिलेगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर इसे बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा एयरपोर्ट के प्रस्थान प्वाइंट से प्रीमियम पिकअप और ड्रॉप-ऑफ सुविधा मिलेगी। इससे यात्रियों को अधिक पैदल नहीं चलना होगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंट्रा-सिटी बस शटल और कैब सर्विस के लिए मैन फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के साथ हुआ समझौता।

हवाई अड्डा परिसर से मिलेगी शटल

इंट्रा-टर्मिनल बस शटल सेवा के अंतर्गत हवाई अड्डे परिसर के अंदर से यात्रियों को शटल सर्विस मिलेगी। इसके लिए हवाई अड्डा परिसर में ही बस शटल का संचालन, प्रबंधन और रखरखाव किया जाएगा।

प्रीमियम किराए की कारें

अनुबंध के अनुसार नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिसर से आराम और सुविधा के लिए विशेष किराये की कारें उपलब्ध कराई जाएंगी। आगमन और प्रस्थान प्वाइंट पर ही प्रीमियम पिकअप और ड्रॉप-ऑफ सुविधाएं होंगी। कंपनी का कहना है कि खाजी अपनी जेब और सुविधा के अनुसार इसका चयन कर सकेंगे।

लग्जरी कारें उपलब्ध कराती है कंपनी

कंपनी के बेड़े में लगभग 300 विभिन्न लग्जरी वाहनों का बेड़ा शामिल है। शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों, फॉर्च्यूनर 500 कंपनियों और प्रमुख दूतावासों को कारें उपलब्ध कराती हैं। पिछले 15 वर्षों से संयुक्त अरब अमीरात, कोरिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर और अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्राओं के बेड़े के लिए भी परिवहन उपलब्ध कराया है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

हिसार एयरपोर्ट को मिला आईएफआर लाइसेंस, रात में भी हो सकेगी लैंडिंग

1200 मीटर दृश्यता में भी हवाई जहाज भर सकेंगे उड़ान, एयरपोर्ट का 24 घंटे हो सकेगा संचालन

हिसार। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पर आने वाले समय में रात ही नहीं खराब मौसमी परिस्थितियों में भी हवाई सेवा का संचालन हो सकेगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने एयरपोर्ट को इंस्ट्रूमेंट फ्लाइट रूल्स (आईएफआर) का लाइसेंस प्रदान किया है। इससे यह फायदा होगा कि 1200 मीटर की दृश्यता पर भी हवाई जहाज उतर व उड़ान भर सकेंगे। अभी एयरपोर्ट पर विजुअल फ्लाइट रूल्स (वीएफआर) तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

एयरपोर्ट के निदेशक ओपी सैनी ने बताया कि 6-7 नवंबर 2025 को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की टीम ने एयरपोर्ट का निरीक्षण कर कुछ आपत्तियां दर्ज की थीं।

एएआई ने नागरिक उड्डयन विभाग हरियाणा के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सभी आपत्तियों को दूर किया और डीजीसीए को अनुपालन रिपोर्ट भेजी। इसकी समीक्षा के बाद 24 फरवरी को डीजीसीए ने आईएफआर का लाइसेंस दिया है। सैनी ने बताया कि इस तकनीक से खराब मौसम या कम दृश्यता की स्थिति में भी हवाई सेवा का संचालन हो सकेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Noida airport ties up with Mann Fleet Partners

Noida: Noida International Airport announced the selection of Mann Fleet Partners as its mobility services partner to provide comprehensive ground transportation solutions for passengers. The airport said that the partnership aimed to ensure seamless and efficient connectivity to and from the upcoming airport through a range of integrated transport services. The contract includes rental car services, premium pick-up and drop-off facilities at the arrival and departure kerbs to minimise walking distances, and the operation, management and maintenance of bus shuttle services on the airport campus. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Alternate airports to hit 40 m passenger capacity in 2026

Our Bureau
New Delhi

India's operational and upcoming alternate airports are expected to have an annual capacity of 40 million passengers by this year-end, with their next phase of expansion over the next four fiscals, said Crisil Ratings.

They are poised to cater to 45-50 million passengers annually by FY30, driven by pent-up demand, given the capacity constraints at older airports and expansion of catchment areas.

Airport traffic in India is projected to rise from 415 million passengers this fiscal to 580 million by FY30, at a compound annual growth rate of 8-9 per cent, driven by strong economic activity, untapped demand and easing of airport capacity constraints at select metros.

"The older airports in the MMR and the NCR are operating at close to their design capacity, with combined utilisation at 87 per cent last fiscal. They have limited options for large expansionary capex due to space constraints," said Ankit Hakhu, Director, Crisil Ratings.

TIMELY RAMP-UP

"Alternate airports in metros are expected to cater to 20-25 per cent of the total traffic in their regions by FY30, ensuring viability of these airports as demand for air travel grows and connectivity to these airports improves. However, timely ramp-up will be crucial for scaling up aeronautical and non-aeronautical revenues of these airports within their first control periods."

According to the agency, airports in other metro cities, such as Bengaluru and Hyderabad, have room for expansion with utilisation against design capacity at 65 per cent last fiscal. Globally, metro cities with multiple large airports have "done well, such as in New York/New Jersey and London".

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 25 FEBRUARY 2026

आईजीआई एयरपोर्ट विस्तार के लिए 32 पेड़ों के प्रत्यारोपण की मंजूरी, कटाई पर रोक लगाई

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली वन विभाग ने द्वारका क्षेत्र में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) के एप्रन सुविधाओं के विस्तार के लिए 32 पेड़ों के प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांटेशन) की अनुमति दी है, जबकि पेड़ों की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश में दी गई है।

आदेश के अनुसार 22 जनवरी को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम, 1994 के तहत हवाई अड्डे के मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) क्षेत्र के विस्तार के लिए अनुमति प्रदान की गई। एप्रन वह क्षेत्र होता है जहां विमान पार्किंग, बोर्डिंग, ईंधन भरने और रखरखाव के लिए खड़े किए जाते हैं। आवेदन में 34 पेड़ों को काटने और प्रत्यारोपित करने की अनुमति मांगी गई थी। स्थल निरीक्षण के बाद विभाग ने 32 पेड़ों के प्रत्यारोपण की अनुमति दी और किसी भी पेड़ की कटाई पर रोक लगा दी। क्षतिपूरक वृक्षारोपण के तहत आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के सामने स्थित न्यू उड़ान भवन परिसर में 320 पौधे लगाए जाएंगे, जो प्रत्यारोपित पेड़ों की संख्या से दस गुना हैं। इन पौधों का सात वर्षों तक रखरखाव करना अनिवार्य होगा।

डीएमआरसी को 40 पेड़ों के प्रत्यारोपण की मंजूरी

दिल्ली वन विभाग ने दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन के पास निर्माण कार्यों के लिए कुल 40 पेड़ों के प्रत्यारोपण की अनुमति दी है। ये मंजूरियां दिल्ली मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) के फेज-4 परियोजना के तहत जारी की गई हैं। 13 जनवरी के पहले आदेश में विभाग ने दिल्ली मेट्रो के लाइन-8 पर आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन में क्रॉसओवर हिस्से के निर्माण के लिए 14 पेड़ों के प्रत्यारोपण की अनुमति दी। साइट निरीक्षण के बाद पाया गया कि ये पेड़ प्रस्तावित निर्माण क्षेत्र में आते हैं। विभाग ने इसके बदले 140 पौधे (अनुमत संख्या से दस गुना) लगाने का निर्देश दिया है। प्रत्यारोपण के लिए डीएमआरसी ने 7.98 लाख रुपये की सुरक्षा राशि जमा कराई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 25 FEBRUARY 2026

कवायद कश्मीर घाटी में विमानन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा बड़ा कदम

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बनेगा नया एकीकृत टर्मिनल

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में विमानन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल ने श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 1,677 करोड़ रुपए की लागत से सिविल एन्क्लेव के विकास को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक।

मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने इस परियोजना को स्वीकृति दी है। परियोजना के दायरे में सुरक्षा कर्मियों के लिए बैरकों (आवास) का निर्माण भी शामिल है। करीब 73.18 एकड़ क्षेत्र में बनने वाला नया सिविल एन्क्लेव एक अत्याधुनिक टर्मिनल भवन से लैस होगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 71,500 वर्ग मीटर होगा, जिसमें 20,659 वर्ग मीटर मौजूदा ढांचा शामिल है। यह टर्मिनल पीक समय में 2,900 यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा और इसकी वार्षिक क्षमता 1 करोड़ यात्रियों (10 मिलियन प्रति वर्ष) की होगी। कैबिनेट की ओर

■ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1,677 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

से जारी बयान में कहा गया है, 'विस्तारित एप्रन क्षेत्र में 15 विमानों के पार्किंग बे होंगे, जिनमें 1 वाइडबॉडी (कोड ई) विमान के लिए स्थान शामिल है (9 मौजूदा और 6 नए प्रस्तावित), जबकि 3,658 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा रनवे भारतीय वायुसेना (आईएएफ) द्वारा संचालित होता रहेगा। परियोजना के तहत 1,000 कारों की क्षमता वाला बहु-स्तरीय पार्किंग परिसर भी बनाया जाएगा।

नया टर्मिनल आधुनिक डिजाइन और कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर मिश्रण होगा, जिसमें पारंपरिक लकड़ी की नक्काशी और स्थानीय शिल्पकला की झलक दिखाई देगी। साथ ही, यात्रियों की सुविधा के लिए सुव्यवस्थित प्रोसेसिंग क्षेत्र, विशाल लाउंज और उन्नत सुरक्षा व चेक-इन सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा संचालित यह एयरपोर्ट भारतीय वायुसेना के बडगाम एयरबेस परिसर में स्थित है। इसे वर्ष 2005 में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा दिया गया था और यह श्रीनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर है। यह परियोजना केवल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास तक सीमित नहीं है; इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी के कारण डल झील, शंकराचार्य मंदिर और मुगल गार्डन जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और श्रीनगर एक प्रमुख पर्यटन व आर्थिक केंद्र के रूप में और मजबूत होगा। बयान के अनुसार, सिविल एन्क्लेव का विकास विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और कश्मीर की प्राकृतिक व सांस्कृतिक सुंदरता को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने में मदद मिलेगी। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए टर्मिनल भवन में पारंपरिक नक्काशीदार लकड़ी के काम और स्थानीय शिल्पकला से प्रेरित तत्वों को शामिल किया जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 25 FEBRUARY 2026

बकास टीम का नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर व्यापक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 24 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मंगलवार को उच्च स्तरीय निरीक्षण किया गया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए), ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बकास), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा मानकों और व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के बाद संकेत मिले हैं कि सब कुछ संतोषजनक रहा तो शीघ्र ही कॉमर्शियल फ्लाइट संचालन को मंजूरी मिल सकती है।

- **जल्द मिल सकती है उड़ानों को हरी झंडी**
- **डीजीसीए, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, सीआईएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने परखा सुरक्षा व सुविधाओं का स्तर**

एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बावजूद बकास की अंतिम सुरक्षा स्वीकृति लंबित होने से जनवरी में प्रस्तावित उद्घाटन टल गया था। हालांकि, हाल के दिनों में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) और अन्य संबंधित एजेंसियों ने सभी सुरक्षा मानकों को पूरा करने का दावा किया था।

इसी क्रम में मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सह सचिव, डीजीसीए के महानिदेशक, सीआईएसएफ के एडीजी, नोएडा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तथा बकास के सचिव ने एयरपोर्ट का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने करीब डेढ़ घंटे तक टर्मिनल भवन, सुरक्षा उपकरण, यात्री सुविधाएं और आपातकालीन व्यवस्थाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल और समग्र परिचालन तैयारियों का आकलन किया गया। सूत्रों के अनुसार टीम प्रारंभिक तौर पर व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखाई दी। निरीक्षण के उपरांत अधिकारी दिल्ली लौट गए।

अब निगाहें डीजीसीए की अंतिम रिपोर्ट और लाइसेंस जारी होने पर टिकी हैं। लाइसेंस मिलते ही उद्घाटन की औपचारिकताएं पूरी कर यहां से व्यावसायिक उड़ानों का संचालन प्रारंभ किया जा सकेगा।

क्षेत्रवासियों और निवेशकों को लंबे समय से इस एयरपोर्ट के संचालन की प्रतीक्षा है। यदि सब कुछ निर्धारित मानकों के अनुरूप पाया गया, तो जल्द ही नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के विमानन मानचित्र पर नई उड़ान भरता नजर आएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 25 FEBRUARY 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विश्वस्तरीय ग्राउंड ट्रांसपोर्ट की तैयारी

- यापल ने मान फ्लीट पार्टनर्स से किया समझौता
- एयरपोर्ट से कई राज्यों के प्रमुख शहरों तक सीधी बस सेवा होगी शुरू

नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों को विश्वस्तरीय परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह साझेदारी यात्रियों और कर्मचारियों को एयरपोर्ट आने-जाने में अधिक सुविधा और आराम देगी : क्रिस्टोफ श्नेलमैन, सीईओ, यापल

ग्रेटर नोएडा, 24 फरवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्रियों को बेहतर और व्यवस्थित ग्राउंड ट्रांसपोर्ट सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एयरपोर्ट का संचालन कर रही यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) ने मान फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के साथ समझौता किया है। इसके तहत एयरपोर्ट परिसर के भीतर और बाहर विशेष परिवहन सेवाएं संचालित की जाएंगी।

समझौते के अनुसार, यात्रियों को आगमन और प्रस्थान गेट के समीप ही पिक-अप व ड्रॉप की सुविधा मिलेगी, जिससे उन्हें लंबी दूरी पैदल नहीं चलनी पड़ेगी। कंपनी एयरपोर्ट परिसर के अंदर बस शटल सेवा भी संचालित करेगी। इसके अलावा शहर के भीतर शटल सेवाएं शुरू की जाएंगी, जो एयरपोर्ट को परी चैक, बॉटनिकल गार्डन और ग्रेटर नोएडा वेस्ट जैसे प्रमुख स्थलों से जोड़ेंगी। भविष्य में अन्य मार्ग भी जोड़े जाएंगे। मान फ्लीट पार्टनर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अमृत मान ने बताया कि कंपनी की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी और 1992 में इसे कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया। वर्तमान में कंपनी के पास लगभग 300 वाहनों का प्रीमियम फ्लीट है और यह देशभर में कॉरपोरेट, पर्यटन एवं सरकारी संस्थानों को ग्राउंड ट्रांसपोर्ट सेवाएं प्रदान कर रही है।

कई राज्यों के लिए सीधी बस सेवा

एयरपोर्ट प्रबंधन पहले ही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, उत्तराखंड परिवहन निगम, हरियाणा रोडवेज तथा दिल्ली परिवहन निगम के साथ समझौते कर चुका है। उद्देश्य है कि विभिन्न राज्यों के प्रमुख शहरों को सीधे एयरपोर्ट से जोड़ा जा सके। उत्तर प्रदेश में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलावा गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन और हाथरस के लिए सीधी बस सेवा प्रस्तावित है। साथ ही बुलंदशहर, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, हापुड़, मुरादाबाद और शिकोहाबाद तक भी बसें संचालित की जाएंगी।

उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश और हल्द्वानी, हरियाणा के चंडीगढ़, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और अंबाला को भी एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। दिल्ली में कश्मीरी गेट, सराय काले खां, आनंद विहार और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक सीधी बस सेवा उपलब्ध कराने की योजना है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICLE HYDERABAD 24 FEBRUARY 2026

LAND ACQUISITION FOR ADILABAD AIRPORT TO BEGIN

DC CORRESPONDENT
ADILABAD, FEB. 23

Acquisition of about 700 acres for the proposed airport in Adilabad is set to start following clearance of the master plan by the Airports Authority of India and discussions with senior state officials.

Two streams, one near Anukunta village and another near Kachkanti village, fall within the proposed site, and officials are expected to examine options for diversion as part of the acquisition process.

Sources said Adilabad collector Rajarshi Shah would convene a meeting with MLA Payal Shankar and officials of the roads and buildings, revenue, irrigation, municipal administration, electricity and Mission Bhagiratha departments to deliberate on the land acquisition.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 24 FEBRUARY 2026

Bengaluru techie digitises 100-year data on bird tagging

PAVAN KUMAR H
HUBBALLI, DHNS

Bridging technology and conservation, a Bengaluru-based tech professional has digitised nearly century-old records of bird-ringing data maintained by the Bombay Natural History Society (BNHS). His efforts of transforming handwritten field notes of around 450 species into a digital database will help researchers and policy makers in preparing a long-term policy.

Deepak Rajanna, in collaboration with BNHS, has digitised data on over 7.5 lakh individual birds collected since 1927 over the past six months. This is expected to benefit future studies — particularly on migratory birds — and assist in formulating national and global long-term conservation policies and action plans.

For the past 98 years, BNHS has been ring-tagging various bird species across India. The organisation also coordinates with agencies in other countries that tag birds. However, much of this data was maintained in pen-and-paper format, making it vulnerable to damage or loss. With digitisation, experts say the data will significantly strengthen long-term conservation efforts.

Rajanna, a wildlife enthusiast who has applied his expertise in technology to the project, has so far digitised over 25,000 sheets of BNHS records containing information on more than 3.5 lakh ringed birds. The records include details such as the date the birds were tagged, their

River terns at the Bhadra reservoir. DH PHOTO

physical parameters (weight, bill length, tail length, tarsus length, wingspan), the location where they were tagged, migratory routes, and the places where they were last sighted.

"During my initial exploration with BNHS, I realised that they had vast amounts of data on tagged birds in physical sheets stretching back to nearly hundred years. Converting that data into digitised form and sharing the resulting insights with other states, countries, and organisations would help multiple agencies and nations protect the birds and their habitat. So, under the guidance of BNHS, I, along with volunteers, interns, researchers and other contributors began using technology and algorithms to develop a solution: Avifauna," says Rajanna.

P Sathiyaselvam, deputy director and head of the Wetlands and Flyways Programme at BNHS, says, "BNHS has been ringing birds since 1927. Bird ringing and other tagging techniques are essential to protecting birds throughout their migratory routes. If a bird is protected in one place but faces threats along its route, then all conservation efforts fail."

He says data collected over the last century paints a gloomy picture, as several avian habitats— including water bodies, grasslands and forest patches—have been degraded due to various reasons (both natural and man-made).

"By presenting digitised data that can be shared globally, we can urge multinational bodies to formulate policies that ensure safe passage along the flyways of these birds," he adds. Sathiyaselvam says the long-term data is also helping scientists understand the impact of climate change on birds and their habitats, identify which populations of species use the three flyways in India, and, most importantly, study the spread of zoonotic diseases among avian species.

While the digital data collected through the 'Avifauna' platform is currently limited to academic and research purposes, Rajanna is also developing a mobile application through which citizen scientists can contribute information.

For researchers like Karthik N J, a student at Kuvempu University in Shivamogga studying river terns on islands in the Bhadra river, Rajanna's platform is helping streamline scientific data collection.

"I have tagged over a thousand river terns. Birdwatchers across the world who sight these birds report their observations. Avifauna is helping me analyse the data easily and scientifically," he says.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

आइजीआइ एयरपोर्ट के विस्तार के लिए 32 पेड़ों के प्रत्यारोपण को दी मंजूरी

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली: इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट के विस्तार को लेकर वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विभाग ने द्वारका क्षेत्र में एयरपोर्ट की 'एप्रन' सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 32 पेड़ों के प्रत्यारोपण की अनुमति दे दी है, लेकिन किसी भी पेड़ को काटने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यदि एजेंसी पेड़ों को जीवित रखने में विफल रहती है, तो विभाग सुरक्षा राशि से पौधारोपण का काम खुद कराएगा। साथ ही संबंधित एजेंसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। यह अनुमति दो वर्ष के लिए वैध है।

उद्देश्य: यह अनुमति एयरपोर्ट के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल क्षेत्र के विस्तार के लिए दी गई है। एप्रन वह स्थान होता है जहां विमान खड़े किए जाते हैं और उनमें ईंधन भरने या मरम्मत का काम होता है।

सख्त नियम: आवेदन में 34 पेड़ों को हटाने की मांग की गई थी, लेकिन निरीक्षण के बाद विभाग ने केवल 32 पेड़ों के ट्रांसप्लांटेशन की मंजूरी दी।

क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण: जितने पेड़ हटाए जाएंगे, उसके 10 गुना यानी 320 नए पौधे आइजीआइ एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के सामने 'न्यू उड़ान भवन' में लगाए जाएंगे। इन पौधों की देखभाल अगले सात वर्षों तक करनी होगी।

निगरानी और शर्तें: वन विभाग ने इस प्रक्रिया के लिए कड़े दिशानिर्देश जारी किए हैं:

जमानत राशि: संबंधित एजेंसी ने प्रत्यारोपण और नियमों के पालन के लिए 18.24 लाख रुपए की सुरक्षा राशि जमा की है।

जियो-टैगिंग: प्रत्येक प्रत्यारोपित पेड़ की जियो-टैगिंग अनिवार्य है। समय-समय पर फोटो के साथ इसकी प्रगति रिपोर्ट विभाग के पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

वन्यजीव सुरक्षा: यदि किसी पेड़ पर घोंसले या अन्य वन्यजीव पाए जाते हैं, तो उसका प्रत्यारोपण नहीं होगा।

दूरी का मानक: प्रत्यारोपित किए गए पेड़ों के बीच चार मीटर और नए पौधों के बीच कम से कम तीन मीटर की दूरी रखना अनिवार्य है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

₹1,677 crore for new Srinagar airport terminal

THE UNION CABINET on Tuesday (February 24) approved a new integrated airport terminal at Srinagar with an outlay of ₹1,667 crore.

The civil enclave project will cover 73.18 acres, and the new terminal building will be built over 71,500 square meters, the government said in a statement.

The facility has been designed to serve 2,900 passengers during peak hours and achieve an annual capacity of 10 million passengers. The expanded apron will also accommodate 15 aircraft parking bays, including one widebody aircraft stand.

FE BUREAU

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 24 FEBRUARY 2026

Passengers at RGIA unaware of affordable Udan Yatri Café

HEMA SINGULURI | HYDERABAD

Jo diktha hai, who bhiktha hai so goes the saying. Meaning: What is seen, gets sold or what's visible is what sells. The Udan Yatri Café opened at the Rajiv Gandhi International Airport (RGIA) on January 10 this year under the government-led initiative under the UDAN (Ude Desh ka Aam Nagrik) programme, meant to make air travel more inclusive, literally letting common people eat inexpensively inside airports. However, due to the lack of publicity, the average passenger is unaware of the facility and is spending huge amounts for snacks, coffee and tea.

The cafe is part of a national rollout designed to offer "citizen-first" services, with other locations including Kolkata, Chennai, and Mumbai.

According to a latest survey by Telangana Gig and Platform Workers' Union (TGPWU), only 26% of passengers were aware of the facility. The survey covered 2,800 passengers to assess awareness and accessibility of this budget-friendly initiative introduced under the UDAN scheme.

Among the passengers who were aware of the facility, the highest level of awareness (45%) came through drivers and informal sources. About 20% learned about it from airport staff, 15% through social media, and only 10% through signboards. Announcements accounted for just 5% of awareness.

The findings highlight the important role played by app-based and transport workers in sharing information with passengers. However, official channels such as signage, announcements, and staff communication remain inadequate. "Improving awareness, visibility, and accessibility of the Udan Yatri Cafe will help more passengers benefit from this affordable service and enhance the overall travel experience at Hyderabad Airport," said Shaik Salauddin, Founder President of TGPWU.

Passengers shared that the current Udan Yatri Cafe outlet is located near the check-in hall, whereas most travelers spend more waiting time near the boarding gates. Many travelers, as well as airport staff, remain unaware of the facility due to limited visibility. Located at the International Departures Check-in Hall (Gate 1), it offers tea/water at Rs 10 and coffee/snacks for Rs 20 to make airport dining affordable.

Based on the feedback, passengers have suggested the following:

- Opening more Udan Yatri Cafe outlets near boarding gates and high footfall areas.
- Installing clear signboards and digital displays across the terminal, including entry points and the ground floor.
- Increasing announcements and awareness campaigns so that budget travellers, workers, students, and senior citizens can benefit from this facility.

Udan Yatri cafe services

- Very low cost basic drinks- Tea priced around Rs 10 and bottled water also Rs 10, which is far cheaper than typical airport outlets
- Affordable coffee – Coffee is available at roughly Rs 20, making it an attractive option before flights. Tea/Water Bottle: Rs 10, Samosa/Kachori/Sweet of the day: Rs 20.
- Budget snacks- Simple snack items like samosas are offered at around Rs 20.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

एयरपोर्ट जाने वाली मुख्य सड़क चौड़ी होगी

गाजियाबाद। हिंडन एयरपोर्ट को जाने वाली मुख्य सड़क को चौड़ा किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग 600 मीटर लंबी सड़क को चौड़ा करेगा। इसके लिए शासन से 11 करोड़ रुपये का बजट मंजूर हो गया है। बिजली की लाइन और पोल शिफ्ट होने के बाद चौड़ीकरण का काम शुरू कराया जाएगा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चौक से हिंडन एयरपोर्ट को जाने वाली मुख्य सड़क है। एयरपोर्ट पर उड़ान सेवा शुरू होने के बाद से सड़क पर वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

नोएडा एयरपोर्ट पर कार्गो कैंपस बनेगा

सिंगापुर/लखनऊ, ग्रेटर नोएडा, हिन्दुस्तान टीम। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश का एक और तोहफा मिला है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एविएशन सर्विस सेक्टर की अग्रणी कंपनी एआई सैट्स के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत कंपनी गौतमबुद्ध नगर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो प्रमुख परियोजनाएं स्थापित करेगी। एक अत्याधुनिक कार्गो कैंपस और दूसरा विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचेन। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर एआई सैट्स 4458 करोड़ रुपये निवेश करेगी।

- विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचेन बनेगा
- एआई सैट्स 4458 करोड़ निवेश करेगी

एआई सैट्स जेवर एयरपोर्ट परिसर में एक अत्याधुनिक कार्गो कैंपस का निर्माण करेगी। यह कार्गो कैंपस न उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एयर फ्रेट और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस परियोजना से निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ होगा। जेवर एयरपोर्ट को मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे यह कार्गो कैंपस अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक रणनीतिक हब के रूप में उभरेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

Nod to transplant of 32 trees at IGIA for expansion work

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Delhi's state forest and wildlife department has given permission to transplant 32 trees for the expansion of the apron facilities at the Indira Gandhi International (IGI) Airport, but prohibited any tree-felling, according to an order.

The order, dated January 22, allowed the activity under the Delhi Preservation of Trees Act, 1994. Works will include apron maintenance, repair and overhaul, it read.

"The compensatory plantation site proposed at New Udaan Bhawan, opposite terminal 3, IGI Airport, New Delhi was inspected by concerned field staff and was found suitable and sufficient to plant 320 tree saplings," read the order, a copy of which was accessed by HT.

Further, these will have to be maintained for a period of seven years, it said.

The application had initially sought permission to cut and transplant 34 trees.

The order said that the applicant has deposited ₹18.24 lakh for carrying out the transplantation and maintenance. A tree officer must be informed at least three days before starting the work, and transplantation cannot be carried out if a tree has active nests of birds.

"Each tree planted or transplanted will be geotagged and the details of the plantation carried out will be uploaded on the portal of the forest department, yearly progress of plantation (geo-referenced photographs with date) will be uploaded against concerned tree felling permission by the agency carrying out the plantation," it read.

A forest department official confirmed the development, stating a request was submitted by an authorised representative from the airport. "After due verification and ground checks, permission was given for only 32 out of the 34 trees initially requested to be felled or transplanted. It was decided only transplantation will be done and no felling," the official said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 25 FEBRUARY 2026

Airport in Srinagar to be upgraded at ₹1,677 cr: govt.

The Hindu Bureau
NEW DELHI

The Union Cabinet on Tuesday approved the expansion of passenger facilities at Srinagar airport for ₹1,677 crore.

The expansion project is spread over 73.18 acres and includes a terminal building spanning 71,500 square metres, of which 20,659 square metres comprises the existing structure. It will have the capacity to accommodate 2,900 passengers at a time and an annual capacity of 10 million passengers. The expanded apron will accommodate 15 aircraft parking bays, including one wide-body aircraft. The project will also include the construction of a multi-level car parking facility for 1,000 cars and barracks for security personnel.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

DAY 2 OF YOGI'S SINGAPORE TRIP

UP bags Rs 8,000-crore investment in projects linked to Jewar airport

Express News Service
Lucknow, February 24

THE NOIDA International Airport region in Jewar has attracted the attention of investors during Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath's Singapore visit, with fresh agreements being signed for projects linked to it on Tuesday. This takes the total investment linked to the airport region to about Rs 8,000 crore.

The airport will be inaugurated next month by Prime Minister Narendra Modi, the CM had said on Monday.

Officials said on day two of the trip, aviation services major AISATS signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the UP government to invest Rs 4,458 crore in two key projects.

The company will develop a world-class cargo complex aimed at positioning Jewar as a major air freight and logistics gateway for North India, supporting high-value sectors such as electronics, pharmaceuticals and perishable agricultural products, informed officials.

As for the second project, officials said it was agreed that a Taj SATS air-catering facility will be established in the area, which will serve flights operating from Noida International Airport and also supply meals to other airports across North India.

Officials said the agreement, signed in the CM's presence, is expected to boost trade, strengthen supply chains and generate significant employment opportunities, further reinforcing Uttar Pradesh's position as an emerging global investment destination and advancing its goal of becoming a major aviation and logistics hub in the northern region.

The latest agreement comes a day after the state government signed another major MoU for the development of an international theme-based group housing township near the airport.

Officials said the Rs 3,500-crore project will be developed over 100 acres in the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) area and is expected to generate employment for around 12,000 people. Scheduled to begin in 2027, the township is aimed at supporting rapid urbanisation around the airport.

With projects spanning aviation services, logistics and urban infrastructure, officials said the airport is increasingly being positioned as a multi-sector economic node rather than a standalone transport facility. They added that its strategic location along the Yamuna Expressway, planned multi-modal connectivity, and proximity to industrial and manufacturing clusters are seen as key factors driving investor interest.

The CM said he also visited the SATS Changi Airport Logistics Hub in Singapore.

• New MoU for Jewar

₹4,458 cr
Investment promised by AISATS in two projects

- Will develop a world-class cargo complex, supporting high-value sectors such as electronics, pharmaceuticals and perishable agricultural products
- Taj SATS air-catering facility, which will serve flights operating from Noida International Airport and also supply meals to other airports across North India

"We also want to develop Jewar International Airport as a global hub for aircraft maintenance, repair and overhaul (MRO) ecosystem."
YOGI ADITYANATH, CHIEF MINISTER

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

IGI के विस्तार के लिए 32 पेड़ों की शिफ्टिंग को मंजूरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (IGI) के विस्तार को लेकर वन विभाग ने 32 पेड़ों के ट्रांसप्लांट को मंजूरी दी है। विभाग ने द्वारका क्षेत्र में एयरपोर्ट की 'एप्रन' सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 32 पेड़ों के ट्रांसप्लांट की अनुमति दे दी है। हालांकि, किसी भी पेड़ को काटने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गई है।

वन विभाग के अधिकारी के अनुसार यदि एजेंसी पेड़ों को जीवित रखने में विफल रहती है, तो विभाग सुरक्षा राशि से पौधरोपण का काम खुद कराएगा। साथ ही संबंधित एजेंसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। यह अनुमति दो वर्ष के लिए दी गई है। यह अनुमति एयरपोर्ट के रखरखाव, मरम्मत और ओवरऑल क्षेत्र के विस्तार के लिए दी गई है। आवेदन में 34 पेड़ों को हटाने की मांग की गई थी, लेकिन निरीक्षण के बाद विभाग ने केवल 32 पेड़ों के ट्रांसप्लांटेशन की मंजूरी दी। ट्रांसप्लांट के नियमों के अनुसार जितने पेड़ हटाए जाएंगे, उसके 10 गुना यानी 320 नए पौधे एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के सामने 'न्यू उड़ान भवन' में लगाए जाएंगे।

320 नए पौधे एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के सामने 'न्यू उड़ान भवन' में लगाए जाएंगे

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 24 FEBRUARY 2026

RGIA key growth driver for T, says report

Swati.Bharadwaj
@timesofindia.com

Hyderabad: The Rajiv Gandhi International Airport (RGIA) in Hyderabad has emerged as a major growth driver for Telangana, with the airport's activity generating an estimated total output of Rs 1.5 lakh crore, Rs 68,000 crore in gross value added (GVA), and supporting around 3.5 lakh jobs when direct, indirect and induced effects are taken into consideration, as per the National Council of Applied Economic Research (NCAER)'s 2024-25 assessment.

When the adjoining GMR Aerocity is included, the combined impact of the 'RGIA ecosystem' increases to about ₹75,000 crore in GVA and nearly 4.1 lakh jobs, equivalent to over 5% of Telangana's GVA and up to 0.25% of India's GVA, GMR Group said, citing the NCAER study that was conducted in Oct 2025.

The study estimates that RGIA's airport operations alone contribute around ₹30,000 crore in direct output, about ₹9,000 crore in direct GVA, and support more than 40,000 jobs with RGIA's economic footprint ramping up sharply since 2009–10 with output growing over 15 times and clocking gains in value addition and employment.

The study projects that by FY2037–38, the RGIA ecosystem could generate about ₹2.13 lakh crore in GVA and support nearly 9.8 lakh jobs, aided by capacity expansion, cargo growth and continued development of the Aerocity district.

Highlighting cargo and exports as a key reason for the impact, the report pointed out that RGIA emerged as a critical node for Hyderabad's high-value shipments, particularly pharmaceuticals and chemicals, with the airport's dedicated Pharma Zone and temperature-controlled handling facilities, along with freighter links to the Middle East, Europe and Asia. The growth in passenger traffic also strengthened the airport's role in city competitiveness, with RGIA handling 25 million passengers in FY24 and 29.5 million in FY25, catering to 72 domestic and 24 international destinations. NCAER's long-range projections estimate this number to go up to over 88 million passengers by FY38, indicating an overall CAGR of 8.8% from FY25.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

Ahd Metro, Srinagar airport extension, 3 rail projects get nod

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The cabinet Tuesday approved three multi-tracking railway projects, extension of Ahmedabad Metro and a new integrated airport terminal in Srinagar with a total investment of Rs 11,806 crore. The cabinet also approved an increase in MSP for raw jute.

Announcing the decisions, I&B minister Ashwini Vaishnaw said the railway projects — doubling of Gondia-Jabalpur track and laying of third and fourth lines on Punarakh-Kiul and Gamharia-Chandil corridors — will increase Indian Railways' network by about 307 km and will enable the national transporter to introduce 38 more express and passenger trains.

The total investment in these projects, passing through eight districts across Maharashtra, MP, Bihar and Jharkhand, will be around Rs 9,072 crore and these will be completed by 2030-31.

Vaishnaw also announced development of the Civil Enclave at Srinagar airport at an estimated cost of Rs 1,677 crore. "People want to visit the Valley, and there is high demand for air traffic" he said.

In an official release, govt said the cabinet approved extension of Ahmedabad Metro at a cost of around Rs 1,067 crore. It will be completed in four years. This extended corridor is expected to benefit approximately 23,700 passengers in 2029.

Govt approves equity investment hike of PowerGrid

The Cabinet Committee on Economic Affairs Tuesday approved a proposal to increase the equity investment threshold of public sector enterprise Powergrid from Rs 5,000 crore to Rs 7,500 crore per subsidiary, enabling it to bid for capital-intensive transmission projects. It will allow Powergrid to expand investments in its core business and support the evacuation of renewable energy capacity, helping achieve the 2030 target of 500 GW from non-fossil fuel-based sources. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Union Cabinet clears ₹1,677-cr Srinagar airport expansion plan

New terminal to handle 10 mn passengers annually

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, FEBRUARY 24

In a significant move to enhance passenger handling capacity and decongest Srinagar airport, the Union Cabinet on Monday approved the development of a civil enclave at the airport at an estimated cost of Rs 1,677 crore. The project will span 73.18 acres.

Minister Ashwini Vaishnaw during a press conference in New Delhi.

The project scope also includes the construction of barracks for security personnel. Srinagar airport is operated by the Airports Authority of India within the Budgam Airbase of the Indian Air Force (IAF) and was designated an international airport in 2005. It is located approximately 12 km from Srinagar city.

The new civil enclave project will feature a state-of-the-art terminal building covering 71,500 square metres (including 20,659 square metres of existing structure). It is designed to serve 2,900 passengers during peak hours and have an annual handling capacity of 10 million passengers per annum (MPPA).

The expanded apron will accommodate 15 aircraft parking bays, including one wide-body (Code E) aircraft (nine existing and six proposed), while the 3,658 m x 45 m runway will continue to be operated by the IAF. The project will also include construction of a multi-level car parking facility with capacity for 1,000 cars.

Briefing mediapersons on the Cabinet decisions, Union Minister for Information and Broadcasting Ashwini Vaishnaw said that from handling 2 million passengers in 2021, Srinagar airport is currently handling 4 to 5 million passengers, against its existing capacity of 3 million passengers.

Architecturally, the new terminal will reflect a harmonious blend of modern design and Kashmir's rich cultural heritage, incorporating traditional elements such as intricate woodwork and locally inspired craftsmanship. At the same time, it will maintain operational efficiency through streamlined passenger processing areas, spacious lounges and advanced security and check-in facilities.

Beyond infrastructure enhancement, the project is expected to significantly boost tourism and economic growth by improving connectivity to iconic attractions such as Dal Lake, Shankaracharya Temple and the Mughal Gardens.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

डीजीसीए सख्त, सार्वजनिक करना होगा विमानों की उम्र व रखरखाव का विवरण

उड़ान डायवर्ट, विलंब या निरस्त करने पर पायलट का निर्णय अंतिम

नई दिल्ली। विमान हादसों से चिंतित नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा उपाय और सख्त किए हैं। नियामक ने स्पष्ट किया कि किसी भी सुरक्षा चूक के लिए सिर्फ पायलट को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, एयरलाइन का शीर्ष नेतृत्व भी जवाबदेह होगा। विमान की उड़ान से जुड़ा डाटा, ईंधन का रिकॉर्ड और तकनीकी दस्तावेज भी मिलाए जाएंगे। हर विमान की उम्र और उसके रखरखाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। सभी संचालकों के लिए सुरक्षा के आधार पर रैंकिंग प्रणाली भी लागू की जाएगी।

झारखंड में गैर-निर्धारित एयरलाइन के विमान हादसे के बाद डीजीसीए ने ऐसे सभी संचालकों के साथ बैठक की। बाद में, बताया गया कि हाल में बढ़ी विमानन घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा को व्यावसायिक हितों, चार्टर प्रतिबद्धताओं या वीआईपी उड़ानों से ऊपर रखा जाना चाहिए। डीजीसीए ने कहा, उड़ान डायवर्ट, विलंब या रद्द करने का पायलट का निर्णय अंतिम होगा और इसका सम्मान किया जाएगा। साथ ही, प्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारी किसी भी प्रणालीगत उल्लंघन के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। पुराने विमानों व स्वामित्व बदलने वाले विमानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। ब्यूरो

वीएसआर के विमानों में खामियां...उड़ान से रोका

डीजीसीए ने कई सुरक्षा और प्रक्रियागत खामियां पाए जाने के बाद वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों को तत्काल प्रभाव से उड़ान से रोक दिया है। इसी कंपनी का विमान 28 जनवरी को बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना के बाद डीजीसीए ने कंपनी का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया था। जांच टीम को वायुयान की उड़ान योग्यता, वायु सुरक्षा और उड़ान संचालन से जुड़े कई स्वीकृत नियमों के उल्लंघन मिले। डीजीसीए ने कहा, रखरखाव प्रक्रियाओं में कमियां देखते हुए लियरजेट 40/45 श्रेणी के चार विमान को तब तक उड़ान से रोक दिया है, जब तक उनकी निरंतर उड़ान योग्यता के मानक बहाल नहीं हो जाते।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

दिल्ली से लेह जा रहा स्पाइसजेट का विमान खराबी के कारण लौटा

नई दिल्ली। दिल्ली से लद्दाख के लेह जा रहा स्पाइसजेट का एक विमान मंगलवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण लौट आया। सूत्रों के मुताबिक, उड़ान संख्या एसजी-121 के इंजन में तकनीकी समस्या आई थी और इस विमान में करीब 150 यात्री सवार थे।

एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही विमान में तकनीकी समस्या का पता चला जिसके बाद उसे एहतियातन उसे वापस दिल्ली लाया गया। विमान ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों को सामान्य तरीके से उतार लिया गया। सूत्रों ने बताया कि विमान में इंजन से जुड़ी दिक्कत सामने आई थी। हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि कॉकपिट में आग लगने की कोई चेतावनी नहीं मिली। ब्यूरो

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

एयर एंबुलेंस हादसा : 8 लाख कर्ज लेकर जान बचाने की जद्दोजहद, पर सब खत्म

बिलखते परिजन बोले, विमान हादसा उनके परिवारों की सामूहिक त्रासदी

रांची। झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया के जंगलों में गिरी एयर एंबुलेंस के मलबे के नीचे सात जिंदगियां खत्म हो गईं, जिन घरों में यह खबर पहुंची, वहां भी जिंदगी जैसे थम गई। आग में झुलसे पति की जिंदगी बचाने और बेहतर इलाज के लिए आठ लाख कर्ज लेकर एयर एंबुलेंस किया, लेकिन सब खत्म हो गया। यह सिर्फ एक विमान दुर्घटना नहीं थी, यह उन परिवारों की सामूहिक त्रासदी है, जिनकी पूरी जिंदगी कर्ज के सहारे खड़ी थी।

इस हादसे में जान गंवाने वाले डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता रांची के सदर अस्पताल में तैनात थे। उनके पिता बजरंगी प्रसाद, बिहार के औरंगाबाद जिले के एक साधारण परिवार से हैं। मीडिया से बातचीत में वह बताते हैं, हमने अपनी सारी जमीन बेच दी थी। कर्ज लिया बस एक ही सपना था मेरा बेटा डॉक्टर बनेगा। डॉ. विकास ने ओडिशा के कटक से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। पढ़ाई आसान नहीं थी। फीस, हॉस्टल, किताबें हर चीज के लिए पैसे जुटाने पड़े। पिता बताते हैं कि कई बार किसी तरह पैसों की व्यवस्था की। आंखों में आंसू लिए वह बताते हैं कि लोग कहते थे इतना कर्ज मत लो, कैसे चुकाओगे? लेकिन मैंने कहा, बेटा पढ़ जाएगा तो सब चुका देगा। डॉ. विकास का सात साल का बेटा है। एजेंसी

चतरा में घटनास्थल पर बिखरा विमान का मलबा।

होटल में लगी आग, इलाज भी उधार से

विमान में सवार गंभीर मरीज संजय कुमार चंदवा कस्बे में छोटा-सा होटल चलाते थे। पिछले सप्ताह होटल में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि संजय बुरी तरह झुलस गए। उन्हें पहले रांची के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज महंगा था, हर दिन हजारों रुपये खर्च हो रहे थे। परिवार ने जो बचत की थी, वह खत्म हो गई। डॉक्टरों ने सलाह दी कि बेहतर इलाज के लिए उन्हें दिल्ली के बड़े अस्पताल ले जाया जाए। सड़क मार्ग से ले जाना जोखिम भरा था। एयर एंबुलेंस ही विकल्प बचा था। उधार एयर एंबुलेंस बुक करने के लिए करीब 7.5 से 8 लाख रुपये की जरूरत थी। परिवार बेहद साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि से है। संजय के भाई अजय, जो हरियाणा सरकार में कार्यरत हैं, बताते हैं कि हमने रिश्तेदारों से कर्ज लिया।

- **डीजीसीए व एएआईबी ने की जांच :** नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटा रही हैं। इस बीच सभी शवों का पोस्टमार्टम कर उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार मलबे से जरूरी दस्तावेज और अन्य सबूत एकत्र किए जा रहे हैं। जांच का काम बुधवार को भी जारी रहेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 25 FEBRUARY 2026

तकनीकी खराबी : अंडमान में सात लोगों को ले जा रहा हेलिकॉप्टर समुद्र में गिरा, सभी सुरक्षित

श्री विजयपुरम। उत्तरी और मध्य अंडमान जिले के मायाबंदर से उड़ान भरने के बाद एक हेलिकॉप्टर मंगलवार सुबह समुद्र में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, हालांकि उसमें सवार चालक दल के सदस्यों समेत सभी सात लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। हेलिकॉप्टर पोर्ट ब्लेयर से सुबह करीब 8:30 बजे रंगाघाट के लिए रवाना हुआ। सुबह 9:10 बजे यह मायाबंदर के लिए उड़ान भरा और इसे 9:30 बजे लैंड करना था। हालांकि, यह रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में गिर गया। हेलिकॉप्टर में पांच यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी का संकेत मिला है, जिसके बाद पायलट को हेलिकॉप्टर को समुद्र में उतारना पड़ा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पवन हंस लिमिटेड नोएडा स्थित एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। उन्होंने आगे बताया कि पोर्ट ब्लेयर से एक राहत हेलीकॉप्टर भेजा गया है। एजेंसी

बचाव दल ने दिखाई सक्रियता

- हेलिकॉप्टर में सवार लोगों में राजिता देवी, कमला चंद्र दास, शिप्रा साहा, नम्बी अम्मा, एक शिशु और दो पायलट, कैप्टन अनिल जानू और कैप्टन टीपीएस गुलिया शामिल थे। सभी सुरक्षित हैं।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के डीजीपी हरगोबिंदर सिंह धालीवाल ने पुलिस मरीन फोर्स की त्वरित कार्रवाई और समुद्र के बीच में सभी यात्रियों और पायलटों को बचाने के लिए उनकी सराहना की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA grounds 4 LearJet aircraft, ups safety initiatives

Our Bureau
Mumbai

The Directorate General of Civil Aviation has grounded four LearJet aircraft of VSR Ventures and initiated a slew of measures, including mandatory disclosures and safety ranking of charter operators.

These actions come in the wake of the LearJet crash in Baramati last month which killed Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar.

A safety audit of VSR Ventures was ordered following the accident, which revealed non-compliances in areas of airworthiness, air safety and flight operations, the DGCA said on Tuesday. It has also grounded four LearJet planes of the charter firm.

Separately, DGCA held a meeting with charter companies and instructed them to prioritise safety over commercial considerations.

Non-scheduled operators will be required to disclose critical safety information on their website such as aircraft age, maintenance history and pilot experience for transparency. A safety ranking is being proposed for non-scheduled operators.

DGCA will also carry out intensive audits to curb falsification of records. Pilots found violating duty time norms and attempting to land below safe parameters may face 5-year suspension.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Centre sets ₹27,500 cr monetisation target for civil aviation under NMP 2.0

PRIVATE PARTICIPATION. Currently, 11 airports have been identified for leasing during the five-year period

Rohit Vaid
New Delhi

The next round of airport leasing (divestment) just got a boost, with the Centre setting a monetisation target of ₹27,500 crore for the civil aviation sector under the National Monetisation Pipeline (NMP) 2.0 for FY26-30.

Currently, 11 airports have been identified for monetisation (leasing) during the five-year period. The proposal is being considered by the Public Private Partnership Appraisal Committee (PPPAC). These airports include Varanasi, Bhubaneswar, Amritsar, Indore, Raipur, Tiruchirapalli, Kozhikode, Coimbatore, Ranchi, Jodhpur and Gaya.

NMP 2.0 framework covers operational, revenue-generating airports and select equity divestments in aviation-related public sector entities. The framework provides for structured private participation, while ownership of core airport assets will remain with the government.

SALE OF AIRPORTS

Besides, the framework states that the programme does not involve the outright sale of airports. Instead, airports will be offered under long-term concession agreements for a fixed duration, after which the assets will revert to the public authority.

According to the framework, the primary model proposed is the time-tested operation, maintenance and development agreement (OMDA).

In this structure, private concessionaires will operate and maintain airports, undertake capital expenditure for modernisation and expansion, and pay upfront concession fees or share revenue with the government or the airport authority.

GENERATING REVENUE. The framework provides for structured private participation, while ownership of core airport assets will remain with the government

Further, long-term public private partnership (PPP) concessions will also be deployed, typically spanning 20-50 years. In addition, select strategic stake-sales or equity divestments may be undertaken through initial public offering or follow-on public offering routes.

Notably, under the previous National Monetisation Pipeline covering FY22-25, the civil aviation sector had a monetisation target of ₹13,500 crore.

According to official estimates, the ₹27,500-crore total monetisation value includes upfront concession payments, the present value of future revenue share payable to the government or public sector undertakings, and committed private sector investment.

However, after adjusting for depreciation of airport assets during the concession period, the aggregate monetisation value is estimated at ₹22,500 crore.

According to projections for FY26-30, the majority of proceeds are expected to accrue to airport authorities and public sector undertakings. Moreover, some inflows are projected beyond FY30 based on the concession structure.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

SriLankan Airlines plans flights to Ahmedabad

New Delhi: Seeking to strengthen its presence in India, SriLankan Airlines plans to start direct flights between Colombo and Ahmedabad in the next three months, as well as enhance its partnership with Air India. Currently, the airline has 89 weekly flights from Colombo to nine cities in India, and Ahmedabad would be its 10th Indian destination. Subject to regulatory approvals, SriLankan Airlines plans to start four weekly flights connecting Colombo and Ahmedabad. The carrier has flights to Chennai, Mumbai, Delhi, Hyderabad, Bengaluru, Kochi, Thiruvananthapuram, Madurai and Tiruchirappalli. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Domestic air passenger traffic growth projected to recover to 6-8%: ICRA

Rohit Vaid
New Delhi

India's domestic air passenger traffic is expected to grow 6-8 per cent to reach 175-179 million passengers in 2026-27, rating agency ICRA estimated on Tuesday.

In December 2025, ICRA had revised its domestic air passenger growth estimates to 0-3 per cent for 2025-26 from the 4-6 per cent envisaged earlier.

As per the rating agency, the international air passenger traffic growth for Indian carriers is expected to remain relatively stronger, aided by low base effect, expanding e-visa or visa-on-arrival coverage, and the Government of India's focus on developing theme-based and iconic tourist destinations.

MORE FLIERS. International air passenger traffic is expected to grow at 7-9 per cent for 2025-26 and 8-10 per cent for 2026-27

Consequently, ICRA estimated international air passenger traffic growth at 7-9 per cent for 2025-26 and 8-10 per cent for 2026-27.

Moreover, ICRA projected the net loss of the Indian aviation industry to reduce to ₹11,000-₹12,000 crore in 2026-27 from an elevated ₹17,000-₹18,000 crore in 2025-26.

The current fiscal year has seen a period of modest domestic air passenger traffic growth due to cross-border escalations, weather-related disruptions, travel hesitancy following the June 2025 aircrash, the impact on business travel owing to the headwinds stemming from the elevated US tariffs, and operational disruptions at IndiGo in December 2025.

The net loss of the Indian aviation industry is projected to reduce to ₹11,000-12,000 cr in 2026-27 from ₹17,000-18,000 crore in 2025-26

OUTLOOK STABLE

According to Kinjal Shah, Senior Vice-President & Co-Group Head, ICRA, the rating agency maintained a 'stable' outlook for the Indian aviation industry, supported by expectations of modest growth in domestic air passenger traffic and a gradually-improving operating environment, despite near-term challenges.

"The Indian aviation industry is expected to report a net loss of ₹17,000-₹18,000 crore in 2025-26, significantly higher than the estimated net loss of around ₹5,500 crore in 2024-25. However, the same is likely to reduce to ₹11,000-₹12,000 crore in 2026-27, led by growth in domestic air passenger traffic and expected normalisation of operations post disruptions seen in 2025-26 that resulted in flight cancellations and passenger refunds," Shah said.

"The industry's debt metric, which weakened in 2025-26 with an estimated interest cover of 0.7-0.9 times from 1.8 times in 2024-25, is also expected to improve to 1.3-1.5 times in 2026-27, despite increasing debt linked with new aircraft deliveries."

Besides, ICRA cited that the industry saw around 4 per cent capacity addition in CY25 and the total number of aircraft stood at 865 as on December 31, 2025.

Various industry players have announced large aircraft purchase orders and, as per the indicative numbers, the total pending deliveries stand at more than 1,700 as on January 31, 2026, which are likely to be received over the next 10 years.

A large part of these orders is towards replacement of old aircraft with new fuel-efficient ones, ICRA said.

"Engine failures and supply chain challenges resulted in grounding of 20-22 per cent of the total industry fleet as of September 2023. The same has come down to 13-15 per cent as of February 2026, corresponding to 117 aircraft," Shah said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Singapore Airlines Q3 profit tumbles

Reuters

Singapore Airlines posted a nearly 69 per cent slide in third-quarter net profit on Tuesday due to the absence of last year's one-off gain from the Air India-Vistara merger and rising fuel costs.

The airline's share of losses from associated companies climbed by S$163 million to S$178 million, reflecting a full-quarter share of Air India's losses this year, compared with only one month in the year-ago period. Its expenditure rose to S$4.71 billion compared with S$4.59 billion.

Record global travel demand kept older aircraft in service, pushing up fuel, maintenance,engine-leasing and inventory costs.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 25 FEBRUARY 2026

Indian airlines' losses may dip to ₹11K-12K cr in FY27, says Icra

Indian airlines are expected to reduce losses to an estimated ₹11,000-12,000 crore next fiscal from a projected ₹17,000-18,000 crore this financial year, ratings agency Icra said on Tuesday, even as it maintained a "stable outlook" for the domestic aviation industry. Icra also estimates the domestic air passenger traffic to grow by 6-8 per cent and touch 175-179 million passengers in FY2026-27. The international air passenger traffic growth for Indian carriers is expected to remain relatively stronger, aided by low base effect, expanding e-visa/visa-on-arrival coverage, and the government's focus on developing theme-based and iconic tourist destinations, the ratings agency said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA announces tighter rules for non-scheduled aircraft operators

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday said safety lapses cannot be simply blamed on pilots as it announced a slew of strict safety measures for non-scheduled flight operators, including public disclosures of aircraft maintenance history and a safety ranking mechanism, in the wake of recent crashes.

A day after a plane, operated by a non-scheduled operator (NSOP), crashed in Jharkhand, killing seven people onboard, DGCA held a meeting with all such operators.

"Safety must remain the absolute priority, superseding all commercial considerations, charter commitments or VIP movements," it said.

"To support this, the authority reaffirmed that the Pilot-in-Command's decision to divert, delay, or cancel a flight for safety reasons is final and must be respected by operators without commercial consequences," the statement said.

Sending out a strong warning, the regulator said accountable managers and senior leadership of NSOPs would be held personally responsible for systemic non-compliances and stressed that "safety lapses cannot simply be blamed on pilots". The regulator said there would be increased monitoring of NSOPs' older aircraft, as well as those undergoing ownership changes.

Further, the operators have to establish real-time weather update systems and ensure strict compliance with Standard Operating Practices. After completion of the first phase of the special safety audit of NSOPs in early March, the second phase covering the remaining NSOPs will be undertaken. PTI

Action against VSR Ventures for lapses: DGCA

After finding several compliance lapses, aviation regulator DGCA on Tuesday directed the grounding of four aircraft of VSR Ventures, whose plane crashed at Baramati last month, killing Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and four others.

The multi-disciplinary audit team observed several non-compliances of approved procedures in the area of airworthiness, air safety, and flight operations, the regulator said in a statement. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 25 FEBRUARY 2026

झारखंड हादसे के बाद सख्त नियम

नॉन शेड्यूल्ड उड़ानों की सुरक्षा में चूक तो संबंधित कंपनी के अफसर नपेंगे...

भास्कर न्यूज। नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए ने नॉन शेड्यूल्ड फ्लाइट ऑपरेटर्स (एनएसओपी) के लिए कड़े सुरक्षा नियम लागू कर दिए हैं। ये ऐसे ऑपरेटर होते हैं, जिनकी उड़ानों का कोई निश्चित टाइम-टेबल या तय रूट नहीं होता। डीजीसीए ने कहा है कि अगर चार्टर प्लेन या प्राइवेट हेलीकॉप्टर कंपनियों में नियमों की कोई भी बड़ी लापरवाही पाई जाती है, तो इसके लिए कंपनी के बड़े अधिकारियों और जिम्मेदार मैनेजरों को व्यक्तिगत तौर पर दोषी माना जाएगा और उन पर कार्रवाई होगी। सुरक्षा चूक के लिए सिर्फ पायलटों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे ऑपरेटर्स के विमानों की उम्र और मेंटेनेंस हिस्ट्री जैसी अहम जानकारियां भी सार्वजनिक की जाएगी। सुरक्षा कारणों से उड़ान डायवर्ट, डिले या रद्द करने का पायलट का फैसला ही अंतिम होगा। संबंधित कंपनी ऑपरेटर पर कोई कमर्शियल कार्रवाई नहीं करेगी।

डीजीसीए ने नए नियम बीते सोमवार को झारखंड में हुए हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए जारी किए हैं। इसकी उड़ान भी नॉन शेड्यूल्ड श्रेणी की थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी।

एनएसओपी के लिए अब ये नई गाइडलाइन

- अब इन ऑपरेटर्स को उनकी सुरक्षा के स्तर के आधार पर रैंकिंग (जैसे 1 से 5 स्टार) दी जाएगी, जिससे पता चलेगा कि कौन सी कंपनी सबसे सुरक्षित है।
- अगर कोई पायलट नियम तोड़ता है, तो उस पर भारी जुर्माना लगेगा और उसका लाइसेंस 5 साल के लिए सस्पेंड होगा।
- जो विमान काफी पुराने हो चुके हैं या जिन कंपनियों के मालिक बदल रहे हैं, उन पर सरकारी एजेंसियां ज्यादा कड़ी नजर रखेंगी।
- जिन कंपनियों के पास विमान सुधारने का अपना वर्कशॉप है, उनकी कड़ी जांच होगी। अगर वहां कमियां मिलीं, तो उन्हें अपना काम बाहर की किसी मान्यता प्राप्त बड़ी कंपनी से कराना पड़ेगा।
- कंपनियों को ऐसा सिस्टम बनाना होगा जिससे उन्हें पल-पल के मौसम की सही जानकारी मिलती रहे। साथ ही, काम करने के तय नियमों का पालन करना अब अनिवार्य होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 25 FEBRUARY 2026

बड़ी अनहोनी टली • तकनीकी खराबी के कारण समुद्र में आपात लैंडिंग करानी पड़ी

अंडमान; समुद्र में गिरा हेलिकॉप्टर, सभी 7 बचे

पुलिस मरीन फोर्स ने समुद्र के बीच से सभी यात्रियों व चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाला।

भास्कर न्यूज. श्री विजयपुरम। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में मायाबंदर हेलीपैड पर निर्धारित लैंडिंग से महज 300 मीटर पहले पवन हंस के एक हेलिकॉप्टर को समुद्र में आपात लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें कुल 7 लोग सवार थे। सभी को सुरक्षित बचा लिया गया है। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 8:45 बजे श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) से उड़ान भरी गई थी और करीब 9:30 बजे हादसा हो गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी का संकेत मिला है।

दिल्ली-लेह जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट की आपात लैंडिंग

स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। सुबह 6.08 बजे लेह की उड़ान थी। इंजन-2 में खराबी आ गई। 150 यात्री-क्रू सवार थे। सभी सुरक्षित।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 25 FEBRUARY 2026

स्पाइसजेट के विमान की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

- उड़ान के दौरान इंजन में खराबी आई
- दिल्ली से लेह के लिए भरी थी उड़ान

नई दिल्ली, 24 फरवरी (एजेंसियां)। स्पाइसजेट की मंगलवार को लेह जा रही फ्लाइट को तकनीकी खराबी के बाद वापस दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया गया। सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतार लिया गया है।

स्पाइसजेट की बोइंग 737 विमान की उड़ान एसजी121 के चालक दल को इंजन में खराबी का पता चला, जिसके बाद फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा।

विमान में 150 लोग सवार थे

विमान के इंजन में संभावित खराबी थी, जो संभवत: दूसरे इंजन से संबंधित थी। विमान में 150 लोग सवार थे।

पवन हंस का हेलीकॉप्टर समुद्र में गिरा

सभी सात लोग सुरक्षित

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र की सरकारी कंपनी पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार सुबह मायाबंदर के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। हेलीकॉप्टर ने श्री विजया पुरम से सुबह करीब 8:45 बजे उड़ान भरी थी और लगभग 45 मिनट बाद समुद्र में गिर गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

डीजीसीए ने दी चेतावनी, चार्टर्ड विमान हादसे हुए तो संचालक होंगे जिम्मेदार

डीजीसीए ने कड़े किए नियम, कहा- केवल पायलटों पर दोष मढ़ना ठीक नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: महीने भर के अंदर एक के बाद एक निजी चार्टर्ड विमान हादसों के बाद डीजीसीए ने सख्त रुख अपनाते हुए विमानन नियामक डीजीसीए ने गैर निर्धारित विमान संचालकों (एनएसओपी) के लिए नियम कड़े कर दिए हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सुरक्षा मानकों को लेकर कई नई व्यवस्थाओं की घोषणा की है और स्पष्ट किया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब पायलट से लेकर कंपनी संचालक तक कार्रवाई के दायरे में लाए जाएंगे।

दरअसल, सोमवार को रांची से दिल्ली जा रहा एक एयर एंबुलेंस विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। यह विमान एक गैर-निर्धारित आपरेटर द्वारा संचालित किया जा रहा था। इससे पहले 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती के पास वीएसआर वेंचर्स के स्वामित्व वाला लियरजेट 45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार व चार अन्य की मौत हो गई थी। अंडमान निकोबार में पवन हंस हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सात लोगों को सुरक्षित बचाया गया।

इन घटनाओं के बाद डीजीसीए ने सभी नान-शेड्यूल्ड आपरेटरों (एनएसओपी) की बैठक बुलाई। बैठक में नियामक ने साफ कहा कि सुरक्षा चूक का ठीकरा केवल पायलटों पर नहीं फोड़ा जा सकता, बल्कि जवाबदेह प्रबंधक और वरिष्ठ प्रबंधन भी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराए जाएंगे।

गैर-निर्धारित विमान संचालकों को विमानों की आयु, रखरखाव का ब्योरा और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारियां सार्वजनिक करनी होंगी। इन आपरेटरों की 'सुरक्षा रैंकिंग' भी तैयार की जाएगी। डीजीसीए ने कहा-नियमों के उल्लंघन पर पायलटों के लाइसेंस को अधिकतम पांच वर्ष तक निलंबित किया जा सकता है। पुराने विमानों व स्वामित्व परिवर्तन से गुजर रहे विमानों की विशेष निगरानी की जाएगी।

नागर विमानन मंत्रालय ने भी संकेत दिया है कि गैर-निर्धारित उड़ानों और छोटे हवाईअड्डों के संचालन की समीक्षा की जा रही है।

संबंधित >> पेज 11

- महीनेभर के अंदर दो विमान हादसों से बढ़ी चिंता, पायलट से लेकर प्रबंधन तक सीधे निशाने पर
- विमानन नियामक का एयर टैक्सी को लेकर पारदर्शिता, सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाने पर जोर

डीजीसीए के सख्त नियम

- विमान की उम्र, रखरखाव व पायलट अनुभव का खुलासा अनिवार्य
- डीजीसीए वेबसाइट पर सेफ्टी रैंकिंग प्रकाशित होगी
- सीवीआर व ड्यूटी डाटा का रैंडम आडिट बढ़ेगा
- वरिष्ठ प्रबंधन सीधे तौर पर जवाबदेह होगा
- एफडीटीएल उल्लंघन पर लाइसेंस पांच साल तक निलंबित हो सकता है
- पुराने व स्वामित्व बदल रहे विमानों की सख्त मेंटेनेंस जांच
- जरूरत पर एमआरओ को अनिवार्य आउटसोर्सिंग
- पायलटों के लिए रीयल-टाइम मौसम अपडेट सिस्टम अनिवार्य
- मौसम जागरूकता पर जोर
- मार्च 2026 के बाद फेज-2 सेफ्टी आडिट शुरू होगा
- हितधारकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित होंगी
- सुरक्षा उल्लंघन पर जीरो टालरेंस नीति लागू

बीएओए ने भी सतर्कता बरतने को कहा

उधर, बिजनेस एयरक्राफ्ट आपरेटर्स एसोसिएशन (बीएओए) ने भी अपने सदस्यों से आंतरिक सुरक्षा आडिट कराने और क्रू ब्रीफिंग को सख्ती से लागू करने की अपील की है। संगठन ने कहा कि विशेष रूप से अनियंत्रित हवाईपट्टियों और सीमित मौसम सहायता वाले क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले आपरेटरों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए।

वीएसआर वेंचर्स की उड़ान पर ब्रेक

बारामती विमान हादसे में अजीत पवार की मौत के बाद चार्टर्ड विमान संचालक कंपनी वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया गया है। डीजीसीए ने बताया है कि स्पेशल सेफ्टी आडिट में उड़ान योग्यता, हवाई सुरक्षा, उड़ान संचालन में कई अनुपालन संबंधी खामियां पाई गई हैं। डीजीसीए ने स्पेशल आडिट शुरू कराई थी। इस बीच, विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि प्राथमिक रिपोर्ट 28 फरवरी को जारी की जाएगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

रास्ते में इंजन खराब, दिल्ली लौटा स्पाइस जेट का विमान

प्रस्थान के कुछ देर बाद ही आई खराबी, आइजीआइ एयरपोर्ट के रनवे पर हुई सुरक्षित लैंडिंग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: मंगलवार सुबह नई दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की उड़ान के इंजन में प्रस्थान के कुछ देर बाद ही खराबी आ गई। पायलट को जैसे ही इसका पता चला, एटीसी से अनुमति के बाद उन्होंने उड़ान की वापसी का फैसला लिया और आइजीआइ एयरपोर्ट के रनवे पर विमान को सुरक्षित लैंडिंग कराई। विमान में 150 यात्री सवार थे।

स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। प्रस्थान के कुछ ही मिनट बाद जब विमान ऊंचाई पर था, तभी पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी का संकेत मिला। सूत्रों के अनुसार, केबिन में हल्का धुआं या असामान्य आवाज महसूस की गई थी, जिसके बाद सुरक्षा प्रोटोकाल के तहत इमरजेंसी घोषित की गई। करीब पौने सात बजे विमान की रनवे पर लैंडिंग हुई। इस बीच एयरपोर्ट पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट थीं।

नई दिल्ली से लेह जा रहे विमान में सवार थे 150 यात्री, पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी होने का मिला था संकेत

उधर उड़ान के दौरान विमान में सवार यात्रियों के लिए यह अनुभव बेहद डरावना रहा। जैसे ही पायलट ने विमान को वापस दिल्ली की ओर मोड़ने की घोषणा की, यात्रियों में घबराहट फैल गई। रनवे पर विमान की लैंडिंग के समय एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात थीं, हालांकि विमान सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। उड़ान नियामक संस्था डीजीसीए ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। स्पाइसजेट ने बयान जारी कर कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। बाद में यात्रियों के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था कर उन्हें लेह भेजा गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

अंडमान में हेलीकाप्टर समुद्र में गिरा, सभी लोग सुरक्षित

उत्तर और मध्य अंडमान जिले में मायाबंदर के पास समुद्र में गिरे हेलीकाप्टर के मलबे की जांच करते पुलिसकर्मी • प्रेट्र

- रंगत से उड़ान भरने के बाद सुबह 9.30 बजे हुई दुर्घटना
- समुद्र के बीच से बचाए गए सभी यात्री व चालक दल के सदस्य

श्री विजया पुरम (पोर्ट ब्लेयर), प्रेट्र: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उत्तर और मध्य अंडमान जिले में मंगलवार सुबह पवन हंस का एक हेलीकाप्टर मायाबंदर के पास समुद्र में गिर गया। इसमें चालक दल के दो सदस्यों सहित सात लोग सवार थे। राहत की बात यह है कि समय रहते सभी को सुरक्षित बचा लिया गया।

हेलीकाप्टर ने सुबह करीब साढ़े आठ बजे पोर्ट ब्लेयर से रंगत के लिए उड़ान भरी थी। वहां से नौ बजकर 10 मिनट पर इसने मायाबंदर के लिए प्रस्थान किया। सुबह साढ़े नौ बजे रनवे से मात्र 300 मीटर पहले हेलीकाप्टर समुद्र में जा गिरा। नागरिक उड्डयन विभाग के अनुसार, शुरुआती जांच में तकनीकी खराबी को क्रैश-लैंडिंग का कारण माना जा रहा है।

कोस्ट गार्ड, पुलिस और पुलिस मरीन फोर्स ने तत्परता दिखाते हुए बीच समुद्र से सभी पांच यात्रियों और दो पायलटों को बचाया। सभी घायलों को मायाबंदर के डा. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पवन हंस लिमिटेड नोएडा स्थित एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। पवन हंस के प्रवक्ता ने कहा, 'तकनीकी खराबी के कारण पायलट को क्रैश-लैंडिंग करनी पड़ी। जांच शुरू कर दी गई है।''

एयर एंबुलेंस से मरीज को ले जाने के लिए 8.5 लाख का लिया था कर्ज

- डीजीसीए ने शुरू की रांची एयर एंबुलेंस क्रैश मामले की जांच
- जांच के लिए विमान से चार सदस्यीय जांच दल पहुंचा रांची

जागरण संवाददाता, चतरा : झारखंड के चतरा जिले के सिमरिया में सोमवार रात एयर एंबुलेंस हादसे से जुड़ी कहानियां एक-एक कर सामने आ रही हैं। इस एयर एंबुलेंस का किराया चुकाने के लिए घायल संजय कुमार के स्वजन ने आठ लाख रुपये का कर्ज लिया था। सोमवार की दोपहर परिवार ने 2.5 लाख रुपये की व्यवस्था की थी, जबकि एयर एंबुलेंस का किराया 8.5 लाख रुपये था। बाकी के पैसे उन्होंने अपने रिश्तेदारों से कर्ज लेकर चुकाए, इसके बाद एयर एंबुलेंस ने रांची से दिल्ली के लिए उड़ान भरी। दुर्भाग्यवश कुछ मिनटों बाद ही एयर एंबुलेंस क्रैश हो जाने से उसमें सवार मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना, 20 वर्षीय भांजा तथा मेडिकल टीम में शामिल डा. विकास व एक पारा मेडिकल स्टाफ और दो पायलटों की जान चली गई।

हादसे में जान गंवाने वाले रांची सदर अस्पताल में पदस्थापित एनेस्थेसिया विशेषज्ञ डा. विकास कुमार गुप्ता उन जाने-माने चिकित्सकों में थे, जिन्हें गंभीर मरीजों के साथ एयर एंबुलेंस में विशेष रूप से ले जाया जाता था। डा. विकास कुमार गुप्ता के पिता ने बताया कि उन्होंने बेटे को डाक्टर बनाने के लिए जमीन तक बेच दी थी। नागर विमानन महानिदेशालय ने जांच शुरू कर दी। वहीं, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की दो टीमों को भी जांच का जिम्मा सौंपा गया है। मंगलवार को इंडिगो के विमान से चार सदस्यीय जांच दल रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचा।

'खराब मौसम में उड़ान में सक्षम नहीं था दुर्घटनाग्रस्त विमान'

गौरव कुमार मिश्रा • जागरण

- विशेषज्ञों बोले- टर्बो प्रोपेलर आधारित विमानों का एयर एंबुलेंस में न हो इस्तेमाल
- टर्बो प्रोपेलर आधारित बीचक्राफ्ट किंग एयर सी-90 खराब मौसम में उड़ान भरने योग्य नहीं

मार्क मार्टिन, उड्डयन विशेषज्ञ

जितेंद्र भार्गव, उड्डयन विशेषज्ञ

नई दिल्ली: झारखंड के रांची से मरीज को लेकर दिल्ली जा रहे एयर एंबुलेंस के चतरा जिले में खराब मौसम के बीच घने जंगलों में दुर्घटनाग्रस्त होने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। टर्बो प्रोपेलर आधारित इस विमान 'बीचक्राफ्ट किंग एयर सी-90' को विशेषज्ञ तकनीक के मामले में पुराना और खराब मौसम में लंबी दूरी तक जाने में असुरक्षित बता रहे हैं। इससे पहले भी टर्बो प्रोपेलर आधारित एयर एंबुलेंस हादसे के शिकार होते रहे हैं।

उड्डयन विशेषज्ञ मार्क मार्टिन का कहना है कि एयर एंबुलेंस सेवाओं में आमतौर पर कंपनियां लागत कम करने के लिए पुराने टर्बो प्रोपेलर विमानों को विदेश से सस्ते में खरीदकर एयर एंबुलेंस के रूप में री-फिट करती हैं। ये विमान अपनी सेवा अवधि के अंतिम चरण में होते हैं। मौसम खराब होने जैसी आपातकालीन स्थितियों में जब विमान को अतिरिक्त शक्ति और स्थिरता की आवश्यकता होती है, तो इन विमानों के पुराने इंजन से मदद नहीं मिल पाती। जिससे हादसे की आशंका बढ़ जाती है। मार्टिन बताते हैं कि टर्बो प्रोपेलर विमान कम ऊंचाई पर ही उड़ सकते हैं। ऐसे में उनके खराब मौसम, बादलों और तेज हवा के संपर्क में आने की आशंका बनी रहती है। चतरा में एयर एंबुलेंस हादसे के दौरान भी पायलट ने खराब मौसम की बात एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताई थी।

जेट इंजन वाले विमानों का हो इस्तेमाल: मार्टिन बताते हैं कि दुनिया के अधिकांश देशों में अब एयर एंबुलेंस के लिए जेट इंजन आधारित विमानों का इस्तेमाल होता है। जेट विमान 35 हजार फीट से ऊपर उड़कर तूफान को नीचे छोड़ देता है। भारत में लंबी दूरी में एयर एंबुलेंस के लिए जेट इंजन आधारित विमान को अनिवार्य किया जाना चाहिए। वहीं, उड्डयन विशेषज्ञ जितेंद्र भार्गव का कहना है कि नियमों के अनुपालन में डीजीसीए जो सख्ती शेड्यूल्ड एयरलाइंस के लिए दिखाती है, वही सख्ती नान शेड्यूल उड़ानों से जुड़ी संचालन कंपनियों पर भी दिखानी चाहिए। भार्गव ने कहा कि सुरक्षा को कम तरजीह देने पर ही दुर्घटनाएं होती हैं।

पहले भी हो चुके हादसे

- 2011 में पटना से दिल्ली आ रही एयर एंबुलेंस (किंग एयर सी-90) फरीदाबाद के रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। सवार सात लोगों की मौत हो गई थी।
- 24 मई 2016 को पटना से दिल्ली आ रहा किंग एयर सी-90 विमान तकनीकी खराबी और खराब मौसम का शिकार हो गया था। इसकी दिल्ली के नजफगढ़ स्थित कैर गांव के खेत में क्रैश लैंडिंग हुई। हालांकि, तब विमान में सवार सभी सात लोग सुरक्षित बच गए थे।
- 2018 में मुंबई के जुहू हवाई अड्डे के पास एक निर्माणाधीन इमारत पर किंग एयर सी-90 क्रैश हो गया। हादसे में पायलट सहित पांच लोगों की जान गई थी। यह विमान भी काफी पुराना था और मरम्मत के बाद परीक्षण उड़ान पर था।
- 2021 में मध्य प्रदेश सरकार का एक बीचक्राफ्ट किंग एयर विमान ग्वालियर हवाई अड्डे पर लैंडिंग के समय क्रैश हुआ था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

इंडिगो ने जारी की यात्रा सलाह, खराब मौसम से उड़ान संचालन प्रभावित

नई दिल्ली, एएनआइः इंडिगो एयरलाइंस ने मंगलवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खराब मौसम की स्थिति के कारण दुबई और अबूधाबी की उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। एयरलाइन कंपनी ने यात्रा सलाह जारी कर यात्रियों को संभावित देरी और लंबी प्रतीक्षा समय के बारे में सतर्क किया है। इंडिगो ने एक्स पर पोस्ट किया, दुबई और अबूधाबी में खराब मौसम की स्थिति के कारण उड़ान संचालन प्रभावित हो सकता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

दिल्ली से लेह जा रहे स्पाइसजेट के इंजन में खराबी, लौटा विमान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली से लेह जा रहे स्पाइसजेट के विमान के इंजन में मंगलवार को प्रस्थान के कुछ देर बाद ही खराबी आ गई। पायलट को जैसे ही इसका पता चला, एटीसी से अनुमति के बाद उन्होंने वापसी का फैसला लिया। सूत्रों के अनुसार, केबिन में हल्का धुआं या असामान्य आवाज महसूस की गई, जिसके बाद सुरक्षा प्रोटोकाल के तहत इमरजेंसी घोषित की गई। बाद में आइजीआइ एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान में 150 यात्री सवार थे। उड्डयन नियामक संस्था डीजीसीए ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी-121 ने सुबह 6.08 पर दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी थी। प्रस्थान के कुछ ही मिनटों बाद जब विमान ऊंचाई पर था, तभी पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी का संकेत मिला।

जैसे ही पायलट ने विमान को वापस दिल्ली की ओर मोड़ने की घोषणा की, यात्रियों में घबराहट फैल गई। हालांकि, विमान सुरक्षित उतर गया और सभी यात्री बाहर निकाल लिए गए। स्पाइसजेट ने बयान जारी कर कहा कि यात्रियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है और उन्हें दूसरे विमान से गंतव्य तक भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA Set to Overhaul Charter Flight Safety After 2 Fatal Crashes

Proposes measures; move to mark sharpest tightening of oversight in sector in years

Our Bureau

New Delhi: Two fatal accidents in less than a month—a Learjet crash in Baramati that killed former Maharashtra deputy chief minister Ajit Pawar, and the death of all seven people on board an air ambulance in Jharkhand's Chatra district—have finally pushed India's aviation regulator into action on charter flights.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday called all non-scheduled operators (NSOPs) for a high-level meeting and proposed measures which, if enforced, would mark the sharpest tightening of oversight in the sector in years.

At the core of the proposed new framework is a zero-tolerance policy on safety. Charter operators would be required to publicly disclose aircraft age, maintenance history, and pilot experience on their websites. The DGCA is also working on a safety ranking system for all NSOPs, with rankings to be published on its website — a move that could, for the first time, give charter passengers a way to compare operators before booking.

Accountability, long the missing piece in India's aviation safety culture, would now get direct regulatory focus. Senior management and accountable managers will be held personally responsible for systemic lapses. "Safety failures cannot simply be blamed on pilots," the regulator said pointedly.

Security personnel near the wreckage of Beechcraft C90 air ambulance that crashed in Chatra district on Monday

On the operational side, the DGCA will step up random Cockpit Voice Recorder (CVR) audits, cross-verify ADS-B data and fuel logs to check for unauthorised flights or falsification of records.

Pilots found violating flight duty time limitations would face licence suspension for up to five years.

The regulator also flagged weather as a recurring blind spot, noting that many accidents trace back to poor judgement rather than unpredictable conditions. Operators must now set up real-time weather monitoring systems and ensure pilots receive stronger training in decision-making under challenging environments.

A Phase 2 safety audit of the remaining NSOPs will begin after Phase 1 is completed in early March. A follow-up workshop is planned once the audits are completed.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

AVIATION LOSSES TO NARROW IN FY27: ICRA

INDIA'S AVIATION INDUSTRY is likely to see losses narrow by nearly a third in FY27, aided by a recovery in domestic passenger growth and easing operational disruptions, even as currency and fuel costs remain key risks, according to ICRA.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

IndiGo to add 6 routes from Navi Mumbai Airport

INDIGO HAS ANNOUNCED new direct routes connecting Navi Mumbai International Airport (NMIA) with Ahmedabad, Diu, Goa, Rajkot, Belgaum and Kolhapur. Bookings are being progressively opened across channels. The airline will also commence its ATR aircraft operations effective 29.

SriLankan Airlines to start direct flights to Ahmedabad

SRILANKAN AIRLINES PLANS to launch direct flights between Colombo and Ahmedabad from April to strengthen air connectivity and boosting religious tourism between the two countries, Dimuthu Tennakoon, head of commercial, SriLankan Airlines announced on Tuesday

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

Air India glitches at 14-month high

REUTERS
New Delhi, February 24

TECHNICAL INCIDENTS SUCH as engine oil and fuel leaks affecting Air India flights reached their highest rate in at least 14 months in January, a company document shows, underscoring growing strain on the carrier's revamp ambitions.

The country's second-largest airline has come under scrutiny from the country's safety regulator since a crash last year killed 260 people. It has since reported many safety lapses and in December admitted there was a "need for urgent improvements in process discipline, communication, and compliance culture".

In January, Air India recorded 1.09 technical incidents per 1,000 flights, quadrupling from levels of just 0.26 in December 2024, according to a document reviewed by Reuters that the carrier submitted to the Indian government in February. It did not provide earlier data.

Air India operated over 17,500 flights in January and recorded 23 technical incidents on its international and domestic flights, according to the document, which is not public. At least 21 of those incidents were investigated formally by the airline. "Systemic improvements (are) being introduced across flight ops, training, engineering quality, and procedural oversight to prevent recurrence," the Air India document said.

In a statement, it said it has undertaken a "comprehensive programme to strengthen technical reliability" across its operations and increased its critical spares inventory.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

Stricter rules for charter planes

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, February 24

THE DIRECTORATE GENERAL of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday introduced mandatory safety measures for non-scheduled operators after a high-level meeting that examined the recent increase in aviation accidents involving charter flights.

The regulator said it found that the rising accidents in the sector were mainly due to non-compliance of standard procedures, poor flight planning and gaps in training, and announced the new rules that implement a strict zero-tolerance policy for safety issues.

Non-scheduled operators will have to publicly disclose safety info on their websites, including aircraft age, maintenance history and pilot experience

"This high-level interaction follows a comprehensive review of accident data from the past decade, which identifies non-adherence to Standard Operating Procedures (SOPs), inadequate flight planning, and training deficiencies as the primary causative factors in aircraft accidents," the aviation regulator said in a statement.

Non-scheduled operators will now be required to publicly disclose safety information on their websites, including aircraft age, maintenance history, and pilot experience. The DGCA will also publish a safety ranking mechanism for all charter operators on its website, allowing customers to assess operator standards before booking flights.

The DGCA plans to complete Phase 1 of a special safety audit of non-scheduled operators in early March 2026. Phase 2 will cover the remaining operators, followed by a physical workshop on safety after the completion of the current intensive audits.

The regulator stated that safety must take precedence over commercial considerations, charter commitments, or VIP movements. Pilots will have the authority to divert, delay, or cancel flights for safety reasons without facing commercial consequences from their employers.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA grounds 4 Learjet planes of VRS Ventures

THE DIRECTORATE GENERAL of Civil Aviation on Tuesday grounded four Learjet aircraft operated by VSR Ventures after a special safety audit revealed multiple non-compliances after the January 28 crash that killed Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and four others.

VSR Ventures, a Delhi-based non-scheduled operator, operates a fleet of 17 aircraft, including seven Learjet 45s, five Embraer 135BJ aircraft, four King Air B200s, and one Pilatus PC-12.

Meanwhile, RedBird Airways, whose Beechcraft C90 aircraft VT-AJV operating as an air ambulance crashed a day ago killing seven people on board, said on Tuesday that there were no defects with the aircraft that crashed in Jharkhand, and the pilots who operated the flight were experienced.

—FE BUREAU

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 24 FEBRUARY 2026

SC flags airfare surges during festival seasons

FPJ News Service
NEW DELHI

The SC on Monday said that fluctuations in airfare and extra charges imposed by private airlines during festive seasons and holidays are a matter of "serious concern", while the Centre informed SC that the issue is being examined at the highest level and a response will be filed within four weeks.

A Bench of Justices Vikram Nath and Sandeep Mehta made the remark while hearing a petition seeking regulatory guidelines to control unpredictable fluctuations in airfare in S Laxminarayanan Versus Union Of India and Ors.

"This is a very serious concern. Otherwise, we don't entertain 32 petition," the court remarked, Bar & Bench reports.

Additional Solicitor General Anil Kaushik said the Centre is looking into the issue. "Solicitor General has called a meeting. We have taken the matter to the highest level. We are in discussion with highest authority. Four weeks' time may be given, we will come up with a counter," it was submitted.

Contd on | nation

Look at the exploitation you did during Kumbh

Justice S Mehta

SC flags airfare surges...

Taking note of the submission, the Court adjourned the matter for further consideration on March 23.

When the Federation of India Airlines (FIA) sought impleadment in the case, the Bench refused for now and said the request would be considered at a later stage.

"The union will deal with you. They will call you before taking a decision. They will constitute a committee and take a decision. It is for the ministry to decide. If they don't, we will consider that later on," the Court remarked.

According to the petition, air travel is no longer a luxury but an essential service for millions, especially during emergencies, festivals, and situations where trains and roads are unavailable.

It was argued that airlines use opaque, algorithm-driven dynamic pricing systems that allow fares to change multiple times a day. The petitioner submitted that this affects the poor and middle class the most, as they often book tickets at the last minute due to emergencies such as illness, death in the family, exams or sudden work travel.

The petition stated that air travel is already recognised as an essential service under the Essential Services Maintenance Act, 1981, which treats transport by air at par with railways and postal services. However, unlike railways, electricity or healthcare, airline pricing has no real regulatory oversight.

It was also pointed out that airlines have reduced free baggage limits from 25 kg to 15 kg and now charge high excess baggage fees, turning basic services into profit tools. The petitioner submitted that there is no regulator with the power to cap fares or control extra charges.

The plea seeks directions to the Union government and the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to frame binding rules on airfare pricing, cap surge pricing, regulate baggage and extra charges, fix cancellation and refund norms, and create an independent aviation regulator with powers to protect consumers.

During an earlier hearing on January 21, the top court had flagged what it called exploitative pricing by airlines, especially during festivals and major events like the Kumbh Mela.

"Look at the exploitation you did during Kumbh," Justice Mehta had remarked.

"Not only Kumbh, but every festival," Justice Nath had said.

"Take the statistics for these two towns, Prayagraj and Jodhpur, the flight fares are 3 times the flight fares before the festivals," Justice Mehta had observed.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

चार्टर विमान हादसे के लिए संचालक होंगे जिम्मेदार

संकट में हवाई सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को चार्टर विमान संचालकों कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि व्यवस्थागत खामियों और नियमों का पालन नहीं करने के लिए मैनेजर और वरिष्ठ नेतृत्व व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।

झारखंड में एयर एंबुलेंस दुर्घटना में सोमवार को सात लोगों की मौत के बाद डीजीसीए ने मंगलवार को सभी संचालकों के साथ बैठक की। इसी बैठक में संचालकों को चेतावनी दी गई।

डीजीसीए ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा में चूक के लिए सिर्फ पायलटों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

कई सुरक्षा उपायों की घोषणा, नियम सख्त किए: डीजीसीए ने नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट ऑपरेटर्स के लिए कई सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। अब विमानों के रखरखाव का इतिहास सार्वजनिक करना होगा और उनकी सेफ्टी रैंकिंग भी की जाएगी। संचालकों को विमान की उम्र की जानकारी भी सार्वजनिक तौर पर देनी होगी।

डीजीसीए ने पिछले 10 वर्षों के दुर्घटना आंकड़ों के विश्लेषण के बाद एसओपी के उल्लंघन, खराब फ्लाइट प्लानिंग और ट्रेनिंग की कमी को विमान हादसों का मुख्य कारण माना है।

पायलटों को सख्त सजा: नियमों का उल्लंघन करने वाले चार्टर विमान के पायलटों को अब सख्त दंड का सामना करना पड़ेगा। लाइसेंस 5 साल तक के लिए निलंबित किया जा सकता है। पुराने विमानों और ऐसे विमानों की निगरानी बढ़ाई जाएगी जिनका मालिकाना हक बदला जा रहा है।

पायलट का फैसला अंतिम: डीजीसीए ने कहा कि पायलट-इन-कमांड' द्वारा सुरक्षा कारणों से उड़ान को मोड़ने, देरी करने या रद्द करने का फैसला अंतिम माना जाता है और कंपनियां उन पर कोई व्यावसायिक कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। संचालकों को किसी भी व्यावसायिक दबाव, चार्टर कमिटमेंट या वीआईपी मूवमेंट के ऊपर सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।

ऑडिट को लेकर कड़े निर्देश: डाटा की जांच और तकनीकी ऑडिट को लेकर कड़े निर्देश दिए गए हैं। अब डाटा के फर्जीवाड़े को पकड़ने के लिए कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर का रैंडम ऑडिट, ईंधन रिकॉर्ड और टेक्निकल लॉग्स का क्रॉस-वेरिफिकेशन करेगा। वहीं, बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने सभी संचालकों से आंतरिक सुरक्षा ऑडिट करने और सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

झारखंड के चतरा में सिमरिया के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए सी90 एयर एम्बुलेंस विमान के मलबे के पास मंगलवार को जांच करते सुरक्षा अधिकारी। • पेट्र

मौत के मुंह में कैसे ले गया विमान, जांच शुरू

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। रांची से दिल्ली आते वक्त हुए एयर एम्बुलेंस विमान दुर्घटना की गहनता से जांच की जा रही है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की विशेषज्ञ टीम घटनास्थल पर पहुंचकर गहन जांच कर रही है। मौके से कई अहम दस्तावेज जुटाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार जांच टीम मलबे का निरीक्षण, तकनीकी साक्ष्य जुटाने और विमान के उड़ान रिकॉर्ड से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है।

संजय के परिवार ने चंदे से जुटाए थे 8.50 लाख

लातेहार। संजय साव के इलाज के लिए मोहल्ले और रिश्तेदारों ने कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग किया। किसी ने अपनी जमा-पूंजी दी, किसी ने कर्ज लेकर मदद की तो किसी ने बिना किसी लिखित भरोसे के राशि सौंप दी। हर किसी की दुआ थी कि 65 प्रतिशत तक झुलसे संजय स्वस्थ होकर घर लौट आएं। आठ लाख जुटाए गए, ताकि उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया जा सके। संजय रांची स्थित देवकमल अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे।

आपात लैंडिंग की घटनाएं तेजी से बढ़ीं

देश में आपात लैंडिंग के मामले बीते दो साल में तेजी से बढ़े हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ऑडिट रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई। डीजीसीए ने जनवरी 2026 में एयर इंडिया और दूसरी बड़ी एयरलाइंस की स्पेशल सेफ्टी और टेक्निकल ऑडिट किया था।

23 उड़ानों में तकनीकी दिक्कतें आईं 2026 में

17 हजार से अधिक उड़ाने संचालित कीं एयर इंडिया ने

एयर इंडिया की बढ़ती तकनीकी घटनाएं (घटनाओं की दर)
(प्रति 1,000 उड़ानों पर घटनाएं)

(स्रोत: सरकार को पेश किया एयर इंडिया का आधिकारिक डाटा)

352 बार नोटिस जारी कर चुका है डीजीसीए

पिछले दो साल में डीजीसीए ने एयरलाइंस की सुरक्षा खामियों पर 352 बार नोटिस जारी किए। ये नोटिस एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2025 के अंदर एयरलाइंस कंपनियों को भेजे गए थे। इसमें इंडिगो 98, एयर इंडिया 84, एयर इंडिया एक्सप्रेस 65, स्पाइसजेट 45, अलायंस एयर 23, आकासा एयर 17, फ्लाई बिग 12, एआईएक्स कनेक्ट सात, स्टार एयर एक को इतनी बार नोटिस दिए गए। यह जानकारी संसद में केंद्र सरकार ने दी।

ये निर्देश भी दिए गए

- सभी ऑपरेटरों को उड़ान के दौरान मौसम की सटीक जानकारी के लिए 'रियल-टाइम वेदर अपडेट सिस्टम' लगाना अनिवार्य होगा।
- मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करना होगा
- विशेष सुरक्षा ऑडिट का पहला चरण मार्च की शुरुआत में पूरा होगा, जिसके तुरंत बाद बाकी बचे ऑपरेटरों के लिए दूसरा चरण शुरू किया जाएगा।
- ऑडिट प्रक्रिया पूरी होने के बाद डीजीसीए सभी हितधारकों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करेगा, ताकि नए नियमों को लेकर सभी में स्पष्टता रहे।

देश में विमान हादसे

1 एयर एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, झारखंड (23 फरवरी 2026)
रांची से दिल्ली जा रही बीचक्राफ्ट सी90 एयर एंबुलेंस झारखंड में चतरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

2 अजित पवार विमान हादसा, महाराष्ट्र (28 जनवरी 2026)
महाराष्ट्र के तत्कालीन उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ले जा रहा चार्टर्ड विमान (लीयरजेट45एक्सएआर) हादसे का शिकार हो गया।

3 एयर इंडिया हादसा, गुजरात (12 जून 2025)
एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 (बोइंग 787) अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के गिर गया था। हाल के वर्षों के बड़े हादसों में से एक था।

देश में हेलीकॉप्टर हादसे

1 पवन हंस का हेलीकॉप्टर गिरा (24 फरवरी 2026)
पोर्ट ब्लेयर से मायाबंदर जा रहा पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर लैंडिंग से ठीक पहले समुद्र में गिर गया।

2 केदारनाथ धाम के पास हादसा (15 जून 2025)
केदारनाथ जा रहा आर्यन एविएशन का एक हेलीकॉप्टर गरुड़चट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

3 कोस्ट गार्ड हेलीकॉप्टर क्रैश (5 जनवरी 2025)
पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल का एक एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 25 FEBRUARY 2026

हवाई दुर्घटनाएं

महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मौत से जुड़ा विवाद अभी थमा भी नहीं है कि सोमवार की शाम झारखंड में 'रेड बर्ड एविएशन' की एयर एंबुलेंस और मंगलवार की सुबह पोर्ट ब्लेयर के नजदीक पवनहंस हेलीकॉप्टर की दुर्घटनाओं ने उड्डयन क्षेत्र को लेकर हमारी चिंताएं बढ़ा दी हैं। पवनहंस हेलीकॉप्टर में सवार सातों यात्री खुशकिस्मत थे कि उनका विमान समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, मगर अजित पवार व उनके सहयात्रियों की तरह एयर एंबुलेंस के सभी सवार अपनी जान से हाथ धो बैठे। विडंबना यह है कि एक जान बचाने के लिए भरी गई उड़ान ने सात लोगों की जिंदगी खत्म कर डाली। जैसे कि ब्योरे हैं, एक हादसे में 65 फीसदी झुलस गए संजय साव की जान बचाने के लिए परिवार वालों ने कर्ज लेकर छह लाख रुपये में 'रेड बर्ड एविएशन' की सेवा ली थी, ताकि वे दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए उन्हें भर्ती करा सकें। यह परिवार इस त्रासदी को कभी न भुला सकेगा कि बीमार संजय के साथ उसके दो अन्य तीमारदार भी इसमें मारे गए।

हवाई सेवा सुरक्षित, त्वरित व पेशेवर परिवहन प्रणाली मानी जाती है और इसके लिए उपभोक्ताओं से भारी कीमत भी वसूली जाती है। इसमें यदि ऐसे हादसे बढ़ रहे हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निस्संदेह, एयर एंबुलेंस और पवनहंस हेलीकॉप्टर की दुर्घटना के असली कारण जांच के बाद पता चलेंगे, मगर नागरिक उड्डयन विभाग के लिए यह आत्मचिंतन का समय है। अगर इसी तरह हादसे होते रहे, तो लोगों का इस क्षेत्र से भरोसा उठने लगेगा। विकसित भारत का सपना देख रहे देश के लिए यह अच्छी बात नहीं होगी। गौर कीजिए, पिछले एक दशक में अमेरिका में सालाना उड़ानों की संख्या दोगुनी हो चुकी है, जबकि हमारे यहां कई हवाई अड्डों से नियमित उड़ानों के बंद होने की खबरें सुनाई देती हैं। इसलिए विमानन क्षेत्र की सुरक्षा संबंधी खामियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यह क्षेत्र लगातार नकारात्मक वजहों से सुर्खियां बटोर रहा है और इससे देश के संपूर्ण परिवहन क्षेत्र की छवि प्रभावित होती है। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं, जब इंडिगो विवाद ने देश-दुनिया में हमारी किरकिरी कराई थी। हजारों उड़ानें रद्द हुईं और मुसाफिरों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इसलिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय को अपने तंत्र को चाक-चौबंद करने के लिए काफी मेहनत करने की आवश्यकता है।

विमानन क्षेत्र की खामियों पर ध्यान देना होगा। यह लगातार नकारात्मक वजहों से सुर्खियां बटोर रहा है, जिससे देश के परिवहन क्षेत्र की छवि प्रभावित होती है।

एयर एंबुलेंस हादसे का एक पहलू यह भी है कि अगर रांची में उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा होती, तो शायद यह नौबत ही नहीं आती। यह अकेले झारखंड की बात नहीं है। नई दिल्ली के निजी-सार्वजनिक अस्पतालों में जिस तरह देश भर के मरीजों का तांता लगा रहता है, वह अपने आप में इस क्षेत्र की दयनीय स्थिति का इश्तिहार है। आखिर एक मध्यवर्गीय परिवार के लिए छह लाख की राशि कोई कम नहीं होती, मगर अपनों को बचाने की बेचैनी में कोई भी जोखिम उठाने को वे विवश हैं। झारखंड का यह हादसा तमाम सरकारों को आईना दिखाता है कि चिकित्सा क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा निवेश करने और इलाज की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत है। दरअसल, हादसों के प्रति अगंभीर रुख अपनाने की हमारी आम प्रवृत्ति ने तमाम क्षेत्रों की तरह हवाई सेवाओं के निजी ऑपरेटरों को भी एक हद तक लापरवाह बना दिया है। इसलिए देश के हित में यही है कि इन दुर्घटनाओं के कारणों की त्वरित जांच हो और उनके आलोक में सुधार के ठोस कदम उठाए जाएं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

ENGINE FAILURE: SPICEJET FLIGHT LANDS 15 MIN AFTER TAKEOFF

NEW DELHI: A SpiceJet flight from Delhi to Leh made an emergency landing at the Indira Gandhi International (IGI) Airport on Tuesday morning, 15 minutes after taking off, due to an engine failure, officials aware of the matter said. The flight SG-121 , with around 150 passengers on board, landed safely.

"The flight landed by around 6.45am and had 150 passengers on board. Engine number two of the aircraft had failed, resulting in the turnaround," an official said. The airline also confirmed the incident, stating the aircraft landed safely in Delhi. **HTC**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

Aviation risks keep insurance premiums firm, tighten terms

Zia Haq
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Unprecedented disruptions in India's aviation sector over the past year have hardened insurance premiums, tightened policy terms and triggered closer scrutiny of safety standards, analysts said. The risks are expected to persist in 2026, driven by geopolitical tensions, flight rerouting and operational safety concerns.

"Any major crash leads to greater scrutiny of not only the airline involved but also the general safety standards of a (aviation) market by reinsurers. This creates conditions for renogotiating terms for risk coverage even though risk wordings in the policy are generally standardised," said Mathew Pannerselvam of Troth Broking Ltd.

Monday's air ambulance crash in Jharkhand that killed seven people, along with last month's Learjet charter crash in Baramati in which Maharashtra deputy chief minister Ajit Pawar died, will further elevate risk perceptions, Pannerselvam said.

The crashes of Air India AI 171 in Ahmedabad, with more than 480 fatalities, along with that of a South Korean passenger jet, a Boeing 737-800, resulted in global premiums increasing between 15-18% for airlines whose coverage were due for renewal, according to a report by Swiss Re.

The impact of a plane crash on the insurance industry is seldom limited to local markets; it rapidly spread across the globe, ultimately shaking up businesses in major financial centres. Most large insurers opt for reinsurance, an arrangement where the original insurance firms protect themselves against losses by transferring their own risks to a reinsurer at a cost. Indian insurers retain just 4-5% of aviation risk, while the bulk of the losses are borne by global reinsurers, which tends to increase premium rates.

The risks are expected to persist in 2026, driven by geopolitical tensions. ISTOCKPHOTO

The total insurance impact of the Air India AI 171 crash, estimated at $475 million, therefore, was borne by international reinsurers, leading to a cascading effect.

Aviation insurance is never a single product, analysts say. A single commercial plane typically incurs several types of risk coverages. The most critical ones include cover for hull losses during flight and taxiing, and while an aircraft is stationary.

Passenger liability covers allow airliners to compensate the next of kin in case of fatal accidents. Airliners also need to take out a public liability policy for third-party compensation, just as in car insurance, to pay for damages caused to other aircraft, objects or people. More losses of planes and flyers in India, the world's third-largest domestic aviation market, has enhanced the possibility that insurance firms and reinsurers will impose stricter clauses in policy documents, say brokers.

According to a July 2025 report by Reuters, India's aviation regulator had found 263 safety-related lapses at the country's major airlines, including 23 at the largest carrier IndiGo and 51 at the second largest Air India.

Worldwide, crashes and collisions dominated $1.5bn of aviation insurance claims, according to a recent report by Allianz. "The continual growth of the aviation sector will see premiums hit a 20-year high of more than US$8bn", Tom Fadden, aviation head at Allianz Commercial, said in the report.

The aviation industry climbed out of the pandemic's challenges with dramatic rebounds in passenger traffic and flights. But reports point to a continued lack of skilled maintenance personnel in major aviation markets due to the knock-on effects of job losses, increasing safety concerns.

"Furthermore, a growing shortage of aircraft mechanics may impact future claims activity," the Allianz report, for instance, said.

Apart from geopolitical risks, airlines are also facing increasing incidents, including increasing runway excursions, from extreme weather and climate change, experts say.

According to a December 2024 report by the International Civil Aviation Organisation, higher incidence of clear air turbulences, heat waves and changing wind regimes will increasingly affect air traffic globally. These will likely necessitate a sweeping overhaul of global risk-coverage norms, Pannerselvam of Troth Broking Ltd said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA grounds 4 aircraft

Jagriti Chandra
NEW DELHI

Nearly a month after the death of then Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar in a plane crash, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has grounded four aircraft operated by VSR Ventures Pvt. Ltd., the charter company that was flying him.

After a high-level meeting on Tuesday following "a recent surge" in accidents, the regulator also announced a slew of measures for charter companies to ensure tighter oversight.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDU DELHI 25 FEBRUARY 2026

SriLankan Airlines' 10th India destination to be Ahmedabad

SriLankan Airlines will add Ahmedabad as 10th destination in India from April and is also exploring raising frequencies on existing routes to the country. "This is our first launch in 5 years and chose India for it," head of commercial, Dimuthu Tennakoon told the media. The airline has 23 airworthy aircraft. Ahmedabad travellers will be able to connect to destinations such as Australia, countries in Far East as well as Europe.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 25 FEBRUARY 2026

Amid spurt in small aircraft accidents, DGCA cracks whip

Says stricter norms for non-scheduled operators, pilots alone can't be blamed

Sukalp Sharma
New Delhi, February 24

IN VIEW of the recent spurt in accidents involving small aircraft — mostly operated by charter flight operators — aviation safety regulator Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday announced a slew of measures in a bid to enforce a "zero-tolerance policy" on flight safety among non-scheduled operators (NSOPs). It stressed that the pilots' decision to divert, delay, or cancel a flight for safety reasons is final and must be respected by operators, irrespective of commercial consequences.

The DGCA also announced new public disclosure requirements for NSOPs, a public safety ranking system, strengthening of oversight through intensive audits of flight data, increased scrutiny of maintenance records of older planes, stricter liability norms for the NSOPs' management, and sterner penalties for pilots for violation of operational limits. The announcement came after the DGCA held a high-level meeting with all NSOPs a day after an small aircraft— operating as an air ambulance — crashed in Jharkhand, killing all seven persons on board. The crash came less than a month after a chartered jet crashed in Baramati, killing then Deputy CM Ajit Pawar and four others.

NSOPs are flight service providers that provide on-demand and non-regular air transport services like charter flights, private jets, and air ambulances. Over the past few years, flight safety in NSOP operations have been flagged as an area of concern by aviation safety experts. Weak safety oversight, poor maintenance, inadequate risk assessment, and training lapses have been cited as key reasons behind growing number of incidents involving smaller aircraft.

"This high-level interaction follows a comprehensive review of accident data from the past decade, which identifies non-adherence to SOPs, inadequate flight planning, and training deficiencies as the primary causative factors in aircraft accidents. Consequently, the regulator has announced a set of new measures...," the DGCA said on Tuesday. "In a significant move toward transparency, the regulator is introducing a mandatory disclosure policy. NSOP operators will be required to disclose critical safety information on their websites, including aircraft age, maintenance history, and pilot experience...."

The DGCA also announced that it will increase random cockpit voice recorder audits and cross-verify flight data, fuel records, and technical logs to detect falsification of data. "Accountable managers and senior leadership will be held personally responsible for systemic non-compliances; safety lapses cannot simply be blamed on pilots... Pilots found violating Flight Duty Time Limitations or attempting to land below safety minima may face licence suspensions of up to five years. Operators failing to meet compliance standards will be penalised and licenses/permits may be suspended," the DGCA said.

DGCA grounds 4 Learjet aircraft of VSR Ventures after audit shows lapses

Sukalp Sharma
New Delhi, February 24

THE DGCA on Tuesday announced immediate grounding of four aircraft operated by VSR Ventures, the charter flight operator whose Learjet 45 crashed in Maharashtra's Baramati on January 28, killing the then Deputy CM Ajit Pawar and four others. This follows a special audit of VSR Ventures that was initiated after the accident; the audit revealed various non-compliances by VSR Ventures.

"The multi-disciplinary audit team observed several non-compliances of approved procedures in the organisation in the area of airworthiness, air safety, and flight operations. In view of the non-compliances observed and considering the gaps in maintenance procedures it is decided to initiate the corrective measures by immediately grounding Learjet 40/45 aircraft with registration VT-VRA, VT-VRS, VT-VRV, and VT-TRI till continued airworthiness standards are restored," the DGCA stated.

According to the DGCA database, VSR had a fleet of 17 aircraft, including the one that crashed in Baramati. Of these 17 planes, eight were Learjets. "Deficiency reporting forms have been issued to M/s VSR Ventures Pvt Ltd in above mentioned areas to submit root cause analysis on the non-compliances for further assessment...," the DGCA said. It did not detail the non-compliances observed in the special audit.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 25 FEBRUARY 2026

अजित पवार विमान हादसा

डीजीसीए की विमानन कंपनी पर बड़ी कार्रवाई

- उड़ान भरने से रोके गए वीएसआर के चार प्लेन

नई दिल्ली, लोकसत्य। बारामती में पिछले महीने हुए विमान हादसे के बाद जांच में कई नियमों की अनदेखी मिलने पर डीजीसीए ने मंगलवार को वीएसआर वेंचर्स के चार विमानों की उड़ान पर रोक लगा दी।इसी कंपनी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी।

28 जनवरी को लियरजेट 45 (वीटी-एसएसके) विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने वीएसआर वेंचर्स का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराने का आदेश दिया था।

नियामक ने बयान में कहा कि रखरखाव प्रक्रियाओं में खामियां देखते हुए लियरजेट 40/45 श्रेणी के चार विमान (वीटी-वीआरए, वीटी-वीआरएस, वीटी-वीआरवी और वीटी-टीआरआई) को तब तक ग्राउंड (उड़ान से रोका जाना) किया गया है, जब तक उनकी निरंतर उड़ान योग्यता के मानक बहाल नहीं हो जाते। डीजीसीए ने कंपनी को कारण बताओ पत्र जारी कर गैर-अनुपालन के मूल कारणों का विश्लेषण प्रस्तुत करने को कहा है। जवाब की समीक्षा के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी से पहले आने की उम्मीद है। इस बीच कुछ हलकों में दुर्घटना को लेकर साजिश की आशंकाएं भी जताई गई हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 25 FEBRUARY 2026

Indian airlines' estimated losses may come down next fiscal: Icra

Mumbai: Indian airlines are expected to reduce losses to an estimated ₹11,000-12,000 crore next fiscal from a projected ₹17,000-18,000 crore this financial year, ratings agency Icra Ltd said on Tuesday, even as it maintained a "stable outlook" for the domestic aviation industry. Icra also estimates the domestic air passenger traffic to grow by 6-8% and touch 175-179 million passengers in FY26-27. Icra, in December 2025, had revised its domestic air passenger growth estimates to 0-3% for the current financial year from 4-6% envisaged earlier.

AFP

PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MINT DELHI 25 FEBRUARY 2026

Air India snags most in 14 months in Jan

Technical incidents such as engine oil and fuel leaks affecting Air India flights reached their highest rate in at least 14 months in January, a company document shows, underscoring growing strain on the carrier's revamp ambitions.

India's second-largest airline has come under scrutiny from the country's safety regulator since a crash last year killed 260 people. It has since reported many safety lapses and in December admitted there was a "need for urgent improvements in process discipline, communication, and compliance culture".

In January, Air India recorded 1.09 technical incidents per 1,000 flights, quadrupling from levels of just 0.26 in December 2024, according to a document reviewed by *Reuters* that the carrier submitted to the Indian government in February. It did not provide earlier data. **REUTERS**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 25 FEBRUARY 2026

Indian airlines' estimated losses may come down to ₹11,000-12,000 crore next fiscal: ICRA

ICRA also estimates the domestic air passenger traffic to grow by 6-8 per cent and touch 175-179 million passengers in FY2026-27

MUMBAI: Indian airlines are expected to reduce losses to an estimated Rs 11,000-12,000 crore next fiscal from a projected Rs 17,000-18,000 crore this financial year, ratings agency ICRA said on Tuesday, even as it maintained a "stable outlook" for the domestic aviation industry.

ICRA also estimates the domestic air passenger traffic to grow by 6-8 per cent and touch 175-179 million passengers in FY2026-27. ICRA, in December 2025, had revised its domestic air passenger growth estimates to 0-3 per cent for the current financial year from 4-6 per cent envisaged earlier.

The international air passenger traffic growth for Indian carriers is expected to remain relatively stronger, aided by low base effect, expanding e-visa/visa-on-arrival coverage, and the Central Government's focus on developing theme-based and iconic tourist destinations, the ratings agency said.

ICRA said the international air passenger traffic is seen growing at 7-9 per cent for this financial year and 8-10 per cent next year, and added that the current fiscal year has seen a period of modest domestic air passenger traffic growth due to cross-border escalations, weather-related disruptions, travel hesitancy following the June 2025 aircraft accident, the impact on business travel owing to the headwinds stemming from elevated US tariffs and operational disruptions at IndiGo in December 2025.

ICRA has maintained a "stable outlook" for the Indian aviation industry, supported by expectations of modest growth in domestic air passenger traffic and a gradually improving operating environment, despite near-term challenges, said Kinjal Shah, senior vice president at ICRA.

CLOSER LOOK

- ICRA, in December 2025, had revised its domestic air passenger growth estimates to 0-3% for the current financial year from 4-6% envisaged earlier
- ICRA said international air passenger traffic is seen growing at 7-9% for this fiscal & 8-10% next year
- 'The Indian aviation industry is likely to report a net loss of Rs 170-180 bn in 2025-26, significantly higher than estimated net loss of around Rs 55 billion in 2024-25

"The Indian aviation industry is expected to report a net loss of Rs 170-180 billion (17000-18000-crore) in 2025-26, significantly higher than the estimated net loss of around Rs 55 billion (5,500 crore) in 2024-25. However, the same is likely to reduce to Rs 110-120 billion (11,000-12,000 crores) in 2026-27, led by growth in domestic air passenger traffic and expected normalisation of operations post disruptions seen in 2025-26 that had resulted in flight cancellations and passenger refunds," she said.

The industry's debt metric, which weakened in 2025-26 with an estimated interest cover of 0.7-0.9 times from 1.8 times in 2024-25, is also expected to improve to 1.3-1.5 times in 2026-27, despite increasing debt linked with new aircraft deliveries, according to Shah.

The yields of the industry have declined in the April-December period of 2025-26 on a YoY basis due to a series of external events like cross-border escalations, airplane crash and operational disruptions at IndiGo in the first week of December 2025, ICRA said.

Despite these challenges, the drop in yields was not as steep as the reduction in fuel Cost per Available Seat Kilometre (CASK), as airlines strived to sustain the yield levels amid rising cost pressure from currency fluctuations and operational expenses related to flight cancellations and delays, it said.

ICRA expects the yields to improve in the near term as temporary disruptions ease. Nonetheless, the movement in prices of ATF and the USD-INR rate will remain key monitorable. According to the ratings agency, the industry saw around 4 per cent capacity addition in CY2025, and the total number of aircraft stood at 865 as of December 31, 2025.

Various industry players have announced large aircraft purchase orders and as per the indicative numbers, the total pending aircraft deliveries stand at more than 1,700 as on January 31, 2026, which are likely to be received over the next 10 years but a large part of these orders is towards replacement of old aircraft with new fuel-efficient ones, ICRA said. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 25 FEBRUARY 2026

A mother waited for her son's call, a family got his death news

HARPREET BAJWA @ Chandigarh

THE house in Gobind Nagar on Sultanwind Road in Amritsar has not slept.

Thirty-one-year-old Swarajdeep Singh, one of the two pilots of the air ambulance that crashed in Jharkhand near Ranchi on Monday might, was among the seven people who lost their lives in the accident.

Just before take-off, Swarajdeep had called his mother. He told her that he was flying from Ranchi to Delhi and would call again after landing. It was routine. He always called before flying. He always called after landing. He never forgot. But Monday was different.

When the phone did not ring, they tried calling him. It was switched off. They kept waiting. Then the news flash appeared on television—a crash, loss of contact around 7.20 pm, an air ambulance gone down. Names began to scroll. His name was there.

In that moment, the house changed forever.

Swarajdeep had only rejoined duty two days earlier. He

had been home on leave, spending time with his wife and their four-month-old son.

Seven months ago, Swarajdeep joined the medical aviation company. It felt like life was finally settling. He had married two years earlier.

He is survived by his parents, grandparents, wife, a four-month-old son and a brother.

His father, Amrik Singh, sits quietly as visitors gather. His eyes are tired. "He spoke to his mother before take-off," he says again and again, as if holding on to that last moment. He said he would call after landing, the father repeats himself."

He is in shock. "We kept waiting for his call. When we saw the news and his name among the victims, it was hard."

Family friend Lovpreet Singh described the pilot as helpful by nature. They said he had struggled for some time after obtaining his pilot's licence and had even given tuitions at home while looking for stable employment. Becoming a pilot had been his childhood dream.

Relatives, friends and neighbours gathered at the family's residence. The mortal remains of Swarajdeep are expected to reach Amritsar on Wednesday.

Until then, the family waits. Not for the routine call. But for their son to return home one last time.

CRASH-LANDING

The wreckage of a Pawan Hans helicopter that crashed into the sea 300 metres away from its scheduled landing place at Mayabunder helipad in the Andaman and Nicobar Islands on Tuesday. All seven on board were safely rescued | PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 25 FEBRUARY 2026

SpiceJet Delhi-Leh flight returns after engine failure

EXPRESS NEWS SERVICE @ New Delhi

A SpiceJet flight from Delhi to Leh in Ladakh developed a mid-air emergency on Tuesday morning after one of its engines failed, sources said.

The cockpit crew decided to return, and the aircraft landed safely at Indira Gandhi International Airport (IGIA). An emergency was declared on one of the runways for a brief period to facilitate a safe landing, sources added. Around 150 people were on board.

The Boeing 737-700 took off at 6.21 am from the Terminal 1 side and returned shortly after 7 am, a source said. "Using the other engine, the flight was steered safely to the airport," the source added.

In a statement, SpiceJet said, "A SpiceJet flight operating from Delhi to Leh on February 24 returned to Delhi after experiencing a technical issue. The aircraft landed safely in Delhi, and all passengers were disembarked normally. There was no fire warning in the cockpit."

Airport sources said that after Air Traffic Control was informed about the return, all emergency protocols were activated. "An emergency was declared on Runway 29L/7R where the flight was to land. Fire tenders were on standby along with ambulances and medical teams. The flight landed safely, following which the emergency was lifted," they said.

A source said that since Kushok Bakula Rimpochee Airport in Leh is a defence airport, there are time restrictions (watch hours) for flight operations. "Flights are permitted to operate only from 5 am to 1 pm. A one-hour extension may be given if required in emergency situations," the source said.

SpiceJet plans to operate an additional flight the following day to accommodate affected passengers due to the watch hour restrictions at Leh. The option of a full refund is also available, an airline source added.

Passengers can avail full refund: Airline source

Airport in Leh is a defence airport and there are time restrictions for flight operations. "Flights are permitted to operate only from 5 am to 1 pm. A one-hour extension may be given if required in emergency situation," a source said. "The option of a full refund is also available," an airline source said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

एक को नई ज़िंदगी देने चले थे, 7 की जान गई...क्रैश ने उजाड़े कई परिवार

कर्ज़ से 8 लाख में बुक की थी एयर एंबुलेंस

विश्वेदु जयपुरियार (टीएनएन)

■ **चतरा:** झारखंड के चतरा जिले के जंगलों में सोमवार शाम हुए एयर एंबुलेंस क्रैश ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। लातेहार जिले के चंदवा में आग से झुलसे होटल संचालक संजय कुमार को बचाने के लिए परिवार ने 8 लाख रुपये खर्च कर यह एयर एंबुलेंस बुक की थी। इसके लिए दो लाख रुपये कर्ज लिया था। बाकी रुपये रिश्तेदारों और बचत से जुटाए थे। जिस एयर एंबुलेंस के सफर से परिवार नई जिंदगी की उम्मीद कर रहा था। उसका क्रैश 7 लोगों की मौत की वजह बन गया।

रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का यह बीचक्राफ्ट C90 एयर एंबुलेंस सोमवार शाम रांची से दिल्ली आ रही थी, तभी क्रैश हो गई। मरने वालों में दोनों पायलट (कैप्टन विवेक, कैप्टन सबराजदीप), मरीज संजय कुमार, उनकी पत्नी अर्चना देवी, भांजा ध्रुव कुमार, डॉ. विकास कुमार गुप्ता, पैरामेडिक सचिन कुमार मिश्रा है।

संजय के बड़े भाई विजय ने बताया कि 16 फरवरी को शॉर्ट सर्किट से लगी आग में संजय 65% झुलस गए थे। रांची के हॉस्पिटल ने दिल्ली रेफर किया था। कंडीशन सीरियस थी, इसलिए सड़क के रास्ते नहीं ले जा सकते थे। बड़ी मुश्किल से 8 लाख रुपये जमा किए थे। रांची से निकले ही थे कि हादसे की खबर आई। इसमें भाई (संजय), उनकी पत्नी और भांजे की मौत हो गई। संजय के दोनों बेटे शुभम (17) और शिवम (13) अनाथ हो गए हैं। परिवार पहले से ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था और अब यह हादसा उनके लिए सबसे बड़ा झटका बन गया है।

चश्मदीद ने कहा, जोर का धमाका सुना था: स्थानीय युवक ने बताया कि मैं छत पर खड़ा था, तभी जोरदार धमाके जैसी आवाज आई। हमें लगा कि कोई विमान क्रैश हुआ होगा। जब घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि विमान गिर चुका था। शुरुआती रिपोर्ट में खराब मौसम को क्रैश का कारण माना जा रहा है। सोमवार को देर शाम अचानक झारखंड का मौसम बदल गया था। तेज हवा और झमाझम बारिश होने लगी थी। गांववालों ने बताया कि सोमवार रात करीब 7.45 पर जंगल से अचानक धमाके की जोरदार आवाज सुनाई दी। इससे गांववाले सहम गए।

मरीज, पायलट, डॉक्टर...कोई नहीं बचा

सोमवार को बर्न मरीज को रांची से दिल्ली ला रहे थे

- **7:11 PM** पर रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी।
- **7:34 PM** कोलकाता ATC से इस एयर एंबुलेंस का संपर्क टूट गया।
- **7:45 PM** झारखंड के चतरा में स्थानीय लोगों ने धमाके की आवाज सुनी।
- **8:05 PM** रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर सक्रिय, फिर क्रैश की खबर मिली।

1. झारखंड के चतरा में जंगलों में सोमवार को एयर एंबुलेंस क्रैश हुई।
2. हादसे में होटल कारोबारी संजय कुमार की पत्नी समेत मौत हो गई। साथ में भांजा ध्रुव कुमार भी था।
3. कैप्टन विवेक विकास भगत ने 2022 के सितंबर में एयर एंबुलंस के पायलट के तौर पर करियर शुरू किया था।

खराब मौसम में उड़ान कैसे, जांच होगी

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री ने इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार जांच करेगी कि खराब मौसम में विमान को उड़ान भरने की अनुमति कैसे दी गई। मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। परिजनों से मिलकर स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने कहा कि झारखंड में अस्पताल की बेहतर व्यवस्था नहीं है।

रांची से उड़ा तो 4,500 मी. से अधिक थी विजिबिलिटी

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** झारखंड के चतरा में सोमवार को हुए एयर एंबुलेंस क्रैश के 24 घंटे बाद तक भी नागर विमानन मंत्रालय और एयरलाइंस के रेगुलेटर डीजीसीए की तरफ से ऐसी कोई जानकारी साझा नहीं की गई, जिससे क्रैश के संभावित कारणों का पता चल पाता। 27 दिनों के अंदर देश में यह दूसरा क्रैश है। इस मामले में AAIB ने जांच शुरू कर दी है। क्रैश हुई एयर एंबुलेंस बीचक्राफ्ट सी-90 विमान था, जिसे रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड ऑपरेट करती है।

AAIB ने शुरू की जांच, 27 दिन में दूसरा क्रैश

खराब मौसम या कुछ और... इस क्रैश से कई सवाल खड़े हुए हैं। संभावित कारणों में खराब मौसम भी वजह बताई जा रही है। रांची एयरपोर्ट के डायरेक्टर विनोद कुमार ने एनबीटी को बताया कि बाद का तो पता नहीं, लेकिन सोमवार शाम जिस वक्त एयर एंबुलेंस ने यहां से टेक ऑफ किया था। उस वक्त यहां विजिबिलिटी 4500 मीटर से अधिक थी। आगे क्या हुआ, यह जांच में पता चलेगा।

हादसे की जगह से जांच के लिए मलबा जुटाया गया।

उड़ान के 23 मिनट बाद टूटा था संपर्क

एयर एंबुलेंस ने रांची एयरपोर्ट से सोमवार शाम 7:11 बजे उड़ान भरी थी। अंतिम बार कोलकाता एयरपोर्ट ATC के रेडार से संपर्क 7:34 बजे हुआ था। उड़ान के 23 मिनट बाद यह एयर एंबुलेंस एटीसी रेडार से गायब हो गया था। कोलकाता के बाद इसे वाराणसी एयरपोर्ट ATC के हवाले किया जाना था। लेकिन इससे पहले ही यह रेडार से गायब हो गया।

रेस्क्यू टीम को क्रैश की जगह पहुंचने में 5 Km चलना पड़ा

नई दिल्ली: झारखंड के चतरा जिले में एयर एंबुलेंस क्रैश के बाद पुलिस और रेस्क्यू टीम को वहां पहुंचने में करीब पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। रेस्क्यू ऑपरेशन इतना मुश्किल था कि यह मंगलवार सुबह करीब 5 बजे तक चला। तब जाकर मौके से सभी शवों को निकाल सके। चतरा के एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि प्लेन क्रैश के बारे में सोमवार रात 9:15 बजे के आसपास गांव वालों से पता लगा था। रेस्क्यू के लिए तुरंत टीम रवाना हुई। लेकिन आगे जंगल इतना घना और रास्ता इतना उबड़-खाबड़ था कि गाड़ियां नहीं चल सकती थीं। टीम को करीब पांच किमी. पैदल चलना पड़ा।

गुस्साई भीड़ ने कोलंबो में कई वाहनों को निशाना बनाया है।

दिल्ली-लेह: इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से लेह जाने वाली फ्लाइट की मंगलवार सुबह इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। स्पाइसजेट की फ्लाइट ने दिल्ली के IGI से उड़ान भरी, लेकिन आसमान में पता लगा कि इंजन में गड़बड़ी है। इसके बाद IGI पर ही 6:45 बजे इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। विमान में करीब 150 यात्री थे। सूत्रों के मुताबिक, विमान का इंजन-2 फेल हो गया था। उड़ान भरते ही इस तकनीकी गड़बड़ी का पता क्रू को चला था।

ईरान में हेलिकॉप्टर गिरा, 4 मौतें

ईरान के इस्फहान प्रांत में मंगलवार को मिलिट्री हेलिकॉप्टर फल और सब्जी मार्केट पर गिर गया। डोर्वेह शहर में हुए इस हादसे में पायलट और को-पायलट समेत चार लोगों की मौत हो गई। सेना का यह हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग पर था। क्रैश के बाद बाजार से धुआं उठता दिखा। घटनास्थल पर हादसे के बाद चारों तरह मलबा बिखर गया। बाजार में मौजूद दो लोगों की भी मौत हुई। एक हफ्ते में यह दूसरा सैन्य विमान हादसा है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

पवार के प्लेन क्रैश में खामियों पर सवाल

VSR वेंचर्स के प्लेन के मेंटिनेंस से जुड़े रेकॉर्ड गायब

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे के बाद वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड की विशेष सुरक्षा ऑडिट में गंभीर खामियां सामने आई है। DGCA को कंपनी के कुछ विमानों के मेंटिनेंस रेकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए गए। ऑडिट के बाद पंजीकरण संख्या वीटी-वीआरए, वीटी-वीआरएस, वीटी-वीआरवी और वीटी-टीआरआई वाले लीयरजेट 40/45 विमानों को ग्राउंड कर दिया गया है। माना जा रहा है कि अजित पवार के विमान का मेंटेनेंस नहीं हुआ था।

सूत्रों के अनुसार, रेकॉर्ड न मिलने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि विमानों को कितने घंटे उड़ाया गया और उनकी समय पर सर्विसिंग हुई या नहीं। यह भी जांच का विषय है कि खराब पुर्जों को नियमानुसार बदला गया था या नहीं। आशंका जताई जा रही है कि जिस विमान में अजित पवार सवार थे, उसकी मेंटेनेंस में भी लापरवाही बरती गई हो सकती है। बताया जा रहा है कि जब तक सभी कमियां दूर कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाते, तब तक इन विमानों को उड़ान की अनुमति नहीं दी जाएगी। अन्य छोटी एयरलाइंस के ऑडिट में भी अनियमितताएं मिलने की जानकारी है।

File

28 जनवरी को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम की हादसे में गई थी जान

DGCA ने कहा, दोषी पर होगा सख्त ऐक्शन

DGCA ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड का लीयरजेट 45 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह वही कंपनी है, जिसके एक विमान का उपयोग महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी करते रहे है। हादसे के बाद डीजीसीए ने मामले का संज्ञान लेते हुए एयरलाइंस का विशेष सुरक्षा ऑडिट शुरू किया। प्रारंभिक जांच में विमान की उड़ान योग्यता, रखरखाव और संचालन प्रक्रियाओं को लेकर सवाल उठे। कंपनी के बेड़े में शामिल अन्य लीयरजेट विमानों की भी जांच की गई।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 25 FEBRUARY 2026

दिल्ली से लेह जा रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

स्पाइसजेट ने इंजन में खराबी को बताया कारण

एसजी 121 फ्लाइट में सवार थे 150 यात्री

इंजन नंबर-2 में आई थी तकनीकी खराबी : कंपनी

एयरलाइंस के बयान में कहा गया है कि इंजन में आग के बारे में कोई सूचना नहीं मिली थी। इंजन में तकनीकी खराबी की बात स्वीकार की गई है। यह बोइंग 737-700 विमान था। विमान के इंजन नंबर-2 में तकनीकी खराबी आई थी जो दाहिनी तरफ होता है।

नई दिल्ली, 24 फरवरी (नवोदय टाइम्स): दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट के इंजन में आई खराबी के कारण मंगलवार सुबह उसकी इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। टेकऑफ के कुछ समय बाद क्रू मेंबर को खराबी का पता चला, जिसके बाद विमान के पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल का मे डे कॉल दी। विमान में 150 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट पर इस दौरान तमाम आपात प्रबंध किए गए थे।

40
मिनट तक हवा में रहा विमान

विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्रियों को बाहर निकाला गया। स्पाइसजेट ने इंजन की खराबी का हवाला देते हुए इसके इमरजेंसी लैंडिंग की बात कही है।

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार स्पाइसजेट फ्लाइट संख्या एसजी 121 ने आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए मंगलवार सुबह 6:08 पर उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान के इंजन में खराबी की जानकारी पायलट को मिली। चालक दल सदस्यों ने सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए दिल्ली वापस लौटने का फैसला किया। मामले की सूचना एटीसी को दी गई। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुबह 6:30 बजे आपात स्थिति घोषित कर दी गई। करीब 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद 6:49 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई।

लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और मेडिकल टीम को अलर्ट पर रखा गया था। सभी जरूरी सुरक्षा इंतजाम पहले से कर लिए गए थे। लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 25 FEBRUARY 2026

DGCA TO TIGHTEN SAFETY NORMS

Aviation watchdog Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday announced a slew of safety measures for non-scheduled flight operators, including public disclosure of aircraft maintenance history and a safety ranking mechanism, in the wake of recent plane crashes. A day after a plane, operated by a non-scheduled operator (NSOP), crashed in Jharkhand, killing seven people onboard, DGCA held a meeting with all such operators. The meeting was held to "address a recent surge in aviation incidents and emphasised the critical need for an increased focus on safety across the sector," the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) said in a statement. Sending out a strong warning, the regulator said accountable managers and senior leadership of NSOPs would be held personally responsible for systemic non-compliances and stressed that "safety lapses cannot simply be blamed on pilots". Apart from the requirement of public disclosure of critical safety information, including aircraft age and maintenance history, DGCA said there would be a safety ranking of the NSOPs.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 25 FEBRUARY 2026

India sees three aviation emergencies in 24 hours

ASHOKE RAJ ■ New Delhi

India witnessed three separate aviation emergencies within 24 hours: a fatal air ambulance crash in Jharkhand, an engine scare mid-air on a Delhi-Leh commercial flight, and a helicopter crash-landing in the Andaman Sea. While one incident ended in tragedy, swift responses in the other two ensured no loss of life.

Delhi-Leh Flight Returns After Mid-Air Engine Alert

In a separate incident on Tuesday morning, a Leh-bound SpiceJet flight returned to Delhi shortly after takeoff following a reported technical snag.

The Boeing 737 aircraft, operating as SG121 with around 150 passengers and crew on board, reportedly experienced sparks and flames from one of its engines mid-air. As a precautionary measure, the pilots decided to abort the climb and head back to the national Capital. Standard operating procedures for engine malfunction were activated at Delhi airport, and the aircraft landed safely. No injuries were reported. Airline officials indicated that the return was prompted by a suspected engine-related issue. The aircraft has been grounded for inspection.

Pawan Hans Helicopter Ditches Near Mayabunder

Hours later, a helicopter operated by Pawan Hans made an emergency landing in the sea near Mayabunder in the Andaman and Nicobar Islands. The helicopter had taken off from Port Blair and was attempting to land when it reportedly ditched into the sea about 300 metres short of the runway at approximately 9:30 am.

The aircraft was carrying two crew members and five passengers. Authorities confirmed that all seven occupants were rescued safely, with no injuries reported.

CONTINUED ON >> P4

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 25 FEBRUARY 2026

Indian airlines expected to reduce losses: ICRA

PIONEER NEWS SERVICE
■ Mumbai

Indian airlines are expected to reduce losses to an estimated ₹11,000-12,000 crore next fiscal from a projected ₹17,000-18,000 crore this financial year, ratings agency ICRA said on Tuesday, even as it maintained a "stable outlook" for the domestic aviation industry.

ICRA also estimates the domestic air passenger traffic to grow by 6-8 per cent and touch 175-179 million passengers in FY2026-27. ICRA, in December 2025, had revised its domestic air passenger growth estimates to 0-3 per cent for the current financial year from 4-6 per cent envisaged earlier.

The international air passenger traffic growth for Indian carriers is expected to remain relatively stronger, aided by low base effect, expanding e-visa/visa-on-arrival coverage, and the Central Government's focus on developing theme-based and iconic tourist destinations, the ratings agency said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 25 FEBRUARY 2026

झारखंड एयर एंबुलेंस हादसा : कारणों की जांच जारी, दिल्ली दफ्तर से दस्तावेज जब्त

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : झारखंड में एयर एंबुलेंस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच एजेंसियों ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड का बीचक्राफ्ट सी-90 विमान (वीटी-एजेवी) सोमवार शाम रांची से दिल्ली के लिए उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे में विमान में सवार सात लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार को जांच से जुड़ी टीमें कंपनी के दिल्ली स्थित कार्यालय पहुंचीं। अधिकारियों ने दफ्तर से कुछ दस्तावेज और अन्य सामग्री जब्त की, हालांकि जब्त सामान के बारे में आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। जब्ती के बाद सामग्री को जांच के लिए अपने साथ ले जाया गया। कंपनी की फ्लाइट सेफ्टी प्रमुख मोहिंदर कौर ने बताया कि घटना बेहद दुखद है। उनके अनुसार, उड़ान सामान्य तरीके से शुरू हुई थी और टेकऑफ से पहले किसी तकनीकी खराबी की जानकारी नहीं थी। दोनों पायलट अनुभवी थे। उन्होंने बताया कि जांच एजेंसियां कार्यालय आई थीं और आवश्यक रिकॉर्ड अपने साथ ले गई हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मुताबिक, कंपनी के बेड़े में कुल छह विमान शामिल हैं, जिनमें दुर्घटनाग्रस्त विमान भी था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान ने सोमवार शाम 7:11 बजे रांची से उड़ान भरी थी और करीब 7:34 बजे उसका संपर्क एयर ट्रैफिक कंट्रोल से टूट गया।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 25 FEBRUARY 2026

लेह जा रहे 150 हवाई यात्री बाल-बाल बचे

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : लेह जा रही स्पाइस जेट जिस में 150 हवाई यात्री थे। उनकी जान बाल-बाल बची क्योंकि विमान में तकनीकी खराबी आ गई थी। फ्लाइट एसजी-121 ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से लेह के लिए उड़ान भरी थी। टेकऑफ के तुरंत बाद क्रू को तकनीकी गड़बड़ी का संकेत मिला। सूत्रों के मुताबिक इंजन नंबर-2 में खराबी आने की सूचना थी। स्थिति को देखते हुए पायलटों ने विमान को वापस दिल्ली लाने का निर्णय लिया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी कारणों से विमान को लौटाया गया और पूरी प्रक्रिया निर्धारित सुरक्षा मानकों के तहत पूरी की गई। कॉकपिट में आग से संबंधित कोई चेतावनी संकेत नहीं मिला। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सामान्य रूप से उतारा गया। एयरपोर्ट पर एहतियातन अग्निशमन दल, मेडिकल टीम और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तैनात रहीं। एयरलाइन की ओर से यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था की जा रही है। हाल के महीनों में विमानों से जुड़ी कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। 14 फरवरी को डिब्रूगढ़ से कोलकाता जा रही इंडिगो की एक उड़ान को बम की धमकी के बाद उतारा गया था। इससे पहले दिसंबर में कुवैत से हैदराबाद आ रहे एक अन्य विमान को मुंबई में उतारा गया था, जबकि नवंबर में मुंबई से वाराणसी जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में भी संदिग्ध संदेश मिलने के बाद एहतियातन लैंडिंग कराई गई थी। जांच में अधिकांश मामलों में धमकियां फर्जी पाई गई थीं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

Family took loan to pay ₹8 lakh for air ambulance that crashed

Vishvendu Jaipuriar | TNN

Chatra: A family sinking in debt after a medical emergency required them to hire an air ambulance for Rs 8 lakh. A young pilot days away from going on leave for a close friend's wedding. An anaesthetist who stepped in for a colleague at the last moment.

These are some of the stories that lie buried in the debris of the Delhi-bound Beechcraft C90 charter that crashed into a forest in Jharkhand's Chatra on Monday evening, killing all seven people on board. The aircraft had taken off from Ranchi less than 30 minutes earlier, ferrying hotel owner Sanjay Kumar to Delhi's Ganga Ram Hospital for treatment of burns suffered in an LPG cylinder explosion on Feb 16. Among the seven crash victims were Sanjay's wife Archana Devi and the couple's teenage nephew Dhruv Kumar. The family had taken loans and borrowed from relatives to fund Sanjay's treatment.

> We arranged the money somehow. We believed the treatment in Delhi would give him a second chance. Instead, we lost three of our family members — A RELATIVE

> If negligence, human error, or any violation of safety protocol is found at any level, the strictest action will be ensured against those responsible
> — IRFAN ANSARI | JHARKHAND HEALTH MINISTER

A DGCA team investigates the remains of the air ambulance that crashed in Chatra

▶ 'Journey to death', P 26

British Airways team in Nagpur for aircraft checks

▶Continued from P 1

The passengers were shifted to a premium hotel, and a team of engineers from British Airways arrived in Nagpur late evening.

It was learnt that the airlines had contacted Air India's maintenance, repair and overhaul (MRO) depot at Mihan-SEZ and sought technical help. However, the airlines did not revert to MRO's query on the aircraft's technical specifications. The grounded plane also had to cover the crew's mandatory rest hours, sources said.

On the GPS reset, sources said it was the mechanism that guided the aircraft from point to point.

Though not much was divulged by the airline, it needed recalibration before take-off.

Last week, the BA aircraft flew to Portland, New Orleans, Abu Dhabi and Delhi before finally reaching Nagpur, as per data on a flight-tracking app.

"Adverse weather conditions in Hyderabad led to diversion of the aircraft to Nagpur," a British Airways spokesperson said.

Aniruddhasingh Dinore

GROUNDED

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

Chopper carrying 7 crashes in Andaman waters, all safe

Third Charter Accident In Two Months, AAIB Initiates Probe

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: In India's third charter aircraft accident this year, a Pawan Hans helicopter carrying seven persons ditched in shallow waters near Maya Bunder in the Andaman and Nicobar islands on Tuesday. Unlike the two other fatal accidents involving non-scheduled operators, all passengers and crew in the Pawan Hans crash are safe.

The Pawan Hans Dauphin N3 helicopter (VT-PHY) took off from Sri Vijaya Puram (Port Blair) at 8.30am, said Pawan Hans in a statement. The aircraft landed at Rangat at 9.05am and departed again at 9.10am for Maya Bunder.

"The helicopter ditched about 300m short of the Maya Bunder helipad in shallow sea water at 9.30am. There were five passengers with two crew on board," the company said, adding all on board were "safely retrieved".

Police personnel inspect the wreckage of the Pawan Hans Dauphin N3 helicopter that made a controlled emergency landing in the sea near Maya Bunder, after developing a technical snag, on Tuesday

An aviation source said, "Officials from Directorate General of Civil Aviation, Aircraft Accident Investigation Bureau, and Pawan Hans reached the islands; some will reach by tomorrow. AAIB has initiated an investigation."

The aircraft, a Eurocopter Dauphin (S365), operating with call sign PH2, was commanded by Capt Anil Janu, with Capt T P S Gulia as co-pilot. It reportedly maintained an altitude of 2,500 feet after departure from Rangat for Maya Bunder. "The last known position of the aircraft before ditching was near Dhobidera," said a source.

Over 12 hours before this accident, another crash occurred in Jharkhand in which an air ambulance operated by Redbird Airways crashed and killed all seven people on board.

Less than a month ago, on Jan 28, a Learjet aircraft operated by VSR Ventures crashed during landing at Baramati airport, killing Maharashtra's then deputy CM Ajit Pawar and four others. Apart from accidents involving non-scheduled operators, there was another accident involving a flying club, Redbird Aviation.

Also, earlier this month, a Cessna 172 (VT-EUC) belonging to Redbird Aviation, a flying training organisation, crash-landed in Vijayapura after it ran out of fuel. The instructor and the trainee pilots sustained serious injuries but survived.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

Ajit crash: DGCA grounds 4 Learjets operated by VSR after special audit

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: Directorate General of Civil Aviation has ordered the immediate grounding of four Learjet 40/45 aircraft operated by VSR Ventures following a special safety audit after a Learjet 45 operated by the charter company crashed in Baramati on Jan 28, killing Maharashtra deputy CM Ajit Pawar and four others.

The regulator said a multidisciplinary audit team found "several non-compliance of approved procedures in the organisation in the area of airworthiness, air safety, and flight operations".

"In view of the non-compliances observed, and considering the gaps in maintenance procedures, it is decided to initiate corrective measures by immediately grounding Learjet 40/45 aircraft with registration VT-VRA, VT-VRS, VT-VRV, and VT-TRI till continued airworthiness standards are restored," said DGCA.

Deficiency reporting forms for the identified areas have been issued to the Delhi-based operator. It has been asked to submit a root-cause analysis on the non-compliances for further assessment by DGCA. Further regulatory action will depend on the operator's response and restoration of compliance with prescribed standards, it said.

The Aircraft Accident Investigation Bureau is expected to come out with its preliminary report into the fatal crash before Feb 28.

3,000 hours of records unavailable: Rohit

NCP (SP) MLA **Rohit Pawar** on Tuesday alleged hours of aircraft maintenance and flying records of the Learjet aircraft involved in the Baramati crash are unavailable, raising questions

over the probe. Rohit posted on X: "Shocking information has surfaced that out 5000 hours of records at VSR, only 1800-2000 hours of records are available, while the remaining 3000 hours of records are simply not available." He wrote, "Is the inquiry being deliberately delayed to allow tampering or fabrication of these missing records for VSR?" He also raised concerns over coordination between agencies: "If VSR's owner has come to India, didn't DGCA deem it necessary to inform CID? Seeing the collusion between DGCA and VSR, and lack of coordination between agencies, it has become clear Ajit Dada holds no value in their eyes..." — **Chaitanya Marpakwar**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

Aviation regulator mulls stricter fines, safety ranks for charter ops

Move Aimed At Enforcing Zero-Tolerance Policy: DGCA

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

New Delhi: Jolted by two crashes involving small charter aircraft within a month that killed 12 people, India may soon rank non scheduled operator permit (NSOP) or charter and private jet operators based on their safety record.

While this ranking is proposed to be released on the Directorate General of Civil Aviation's (DGCA) website, operators will now mandatorily have to disclose "critical safety information on their websites, including aircraft age, maintenance history, and pilot experience."

This will be done to ensure people are "fully informed about the standards" of the aircraft they charter.

Also, there will now be stricter penalties for operators violating norms regarding aircraft or crew utilisation. While pilots found violating flight duty time limitations (FDTL) or attempting to land below safety minima may face license suspensions of up to five years, operators not meeting compliance standards will have their licenses suspended.

The regulator Tuesday met all NSOP or charter/private jet operators to "address a recent surge in aviation incidents" and emphasise on "critical need for increased focus on safety." Non-adherence to standard operating procedures (SOPs), inadequate flight planning, and training deficiencies were identified and the primary cause of accidents at this meeting.

Following the meet, the DGCA issued "new measures aimed at enforcing a zero-tolerance policy toward safety compromises within the NSOP sector."

Prioritising safety over commercial interests: The regulator has directed that safety must supersede all commercial considerations, charter commitments or VIP movements. It reaffirmed that the pilot-in-command's decision to divert, delay, or cancel a flight for safety reasons is final and must be respected by operators without commercial consequences.

iStock

While pilots found violating flight duty time limitations or attempting to land below safety minima may face license suspensions of up to five years, operators not meeting compliance standards will have their licenses suspended

Enhanced oversight and accountability: Apart from DGCA doing safety ranking of NSOPs and the latter disclosing their fleet and crew information, the regulator will conduct increased random cockpit voice recorder (CVR) audits and cross-verify fuel records, and technical logs to detect unauthorised operations or falsifying of data.

"Accountable managers and senior leadership will be held personally responsible for systemic non-compliances, safety lapses cannot simply be blamed on pilots," the regulator says. There will now be increased monitoring of older aircraft and those undergoing ownership changes. NSOPs that run their own maintenance, repair, and overhaul (MRO) facilities will be audited. "Those found lacking adequacy will be required to outsource maintenance to approved organisations."

The regulator has found weather-related accidents are "often the result of poor judgment rather than unpredictability of weather." Operators are mandated to establish real-time weather update systems and strict compliance of established SOPs. Additionally, recurrent training for pilots must have greater emphasis on weather awareness strategies and decision-making in uncontrolled environments.

To address systemic weaknesses in decision-making and to ensure operational discipline, the regulator is implementing several immediate measures.

A senior official who was at the meeting said: "The message is clear to NSOP operators: Either operate with 100% compliance of all norms or surrender your licence and go home. They have to fall in line or be out of business."

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 25 FEBRUARY 2026

2 planes had taken off from Ranchi minutes before crash

New Delhi: Two aircraft, one each of Air India and IndiGo, had taken off safely from RanchiMonday night around the same time as the ill-fated air ambulance that crashed soon after getting airborne.

After climbing to 6,000 feet, the pilots of the air ambulance had sought weather deviation from Kolkata ATC and then the Beechcraft C90 aircraft VT-AJV crashed.

Ranchi was having bad weather in terms of rains and thunder storm at that time, with cumulonimbus (thunderstorm) clouds at 3,000 feet.

An IndiGo aircraft had taken off eight minutes before the air ambulance crashed.

"After getting airborne and in a couple of minutes when the IndiGo aircraft was about 37 km away from Ranchi airport, it had requested a right turn to avoid weather," sources said.

Unfortunately, the small air ambulance crashed just eight minutes after the relatively bigger airliners had flown away safely in this weather. The ill-fated Beechcraft C90 of Redbird Airways Pvt Ltd was operating as an air ambulance from Ranchi to Delhi. — **Saurabh Sinha**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 25 FEBRUARY 2026

TWO CRASHES: 7 DIE, 7 SURVIVE

The wreckage of an air ambulance that crashed in Jharkhand's Chatra; and (below) a helicopter that crash-landed in the Andaman sea. PTI

AMRITSAR PILOT AMONG DEAD

All seven persons, including co-pilot Captain Swarajdeep Singh of Amritsar, on board an air ambulance that crashed in Jharkhand's Chatra district were confirmed dead on Tuesday. DGCA officials have begun a probe into the accident. Meanwhile, a helicopter carrying seven persons crash-landed into the sea after it developed a snag just 300 metres away from Mayabunder helipad in the Andaman and Nicobar Islands. All passengers were rescued. BACK PAGE

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 25 FEBRUARY 2026

Baramati crash fallout: DGCA grounds 4 Learjets

NEW DELHI, FEBRUARY 24

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Tuesday ordered the immediate grounding of four Learjet 40/45 aircraft operated by VSR Ventures Pvt Ltd following a special safety audit triggered by the January 28 crash at Baramati. The accident had killed five persons, including Maharashtra's then Deputy Chief Minister Ajit Pawar.

The regulator said the audit was conducted after the crash of the Learjet 45 (VT-SSK), and the operator's compliance across key safety areas was examined. According to the DGCA, the multi-disciplinary audit team found "non-compliance of several approved procedures" within the organisation, particularly in areas related to airworthiness, air safety and flight operations.

Finds non-compliance of several procedures

In view of the gaps identified, the regulator has directed VSR Ventures to ground its Learjet 40/45 aircraft, registered as VT-VRA, VT-VRS, VT-VRV and VT-TRI, till required corrective measures are implemented and airworthiness standards are restored. The DGCA has also issued deficiency reporting forms to the operator, asking it to submit a detailed root cause analysis of the identified non-compliances. The findings will be assessed before any further decision was taken, said an official. — TNS

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 25 FEBRUARY 2026

J'khand flight meant to save life crashes, 7 dead

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, FEBRUARY 24

A medical evacuation flight meant to save a life ended in devastation in the forests of Jharkhand, claiming seven lives, including co-pilot Captain Swarajdeep Singh of Amritsar.

As a team from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) reached the crash site in Chatra district on Tuesday, scenes of grief unfolded at hospital as the bodies were handed over to relatives after post-mortem examination.

The Beechcraft C90 aircraft, operated by Redbird Airways Pvt Ltd and registered as VT-AJV, had taken off from Ranchi at 19:11 IST on Monday, headed for Delhi on a critical air ambulance mission. The aircraft established contact with Kolkata air traffic control, but communication was abruptly lost around 19:34 IST. Radar signals disappeared roughly 100 nautical miles south-east of Varanasi.

The wreckage was later found in Kasariya panchayat, deep inside a forested area with no direct road access. On Tuesday, investigators gathered statements from villagers who said the aircraft appeared to lose balance moments before crashing. Weather was also reported to be poor, with light rain, adding to the uncertainty around the cause behind the crash.

Rescue teams from the SSB described the operation as and logistically difficult. Second in Command Ramesh Kumar said the site was nearly 2 km inside a dense forest. By the time teams reached, all people on board had died.

DGCA steps up audits amid surge in mishaps

Amrik Singh, father of co-pilot Captain Swarajdeep Singh (inset), in Amritsar. PTI

Meanwhile, the DGCA on Tuesday announced stricter safety measures for non-scheduled operators following a high-level meeting.

The decision comes after two crashes were reported within a month, including the January 28 accident that claimed the life of Maharashtra Deputy CM Ajit Pawar, and the air ambulance crash yesterday. The regulator said the meeting was held following a "recent surge in aviation incidents" and stressed the need for increased focus on safety.

Amritsar pilot among J'khand crash victims

CHARANJIT SINGH TEJA
TRIBUNE NEWS SERVICE

AMRITSAR, FEBRUARY 24

City-based pilot Swarajdeep Singh (31) was flying the air ambulance that crashed in Jharkhand. The aircraft reportedly went down while operating a medical emergency flight, leaving no survivors. As news of his death reached home late at night, a pall of gloom descended on the Gobind Nagar area on Sultanwind Road here.

Swarajdeep had joined a private firm providing medical emergency services in New Delhi around seven months ago. Married two years ago, he is survived by his parents, wife and a four-month-old son.

His father Amrik Singh said Swarajdeep had left for duty just two days ago. As per the family, it was his routine to call before take-off and again after landing. The family waited for his call around 7 pm, but by 10 pm his phone was switched off.